દિવ્ય ભાસ્કર

કેમ્પસ અપડેટ

CUGમાં રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં વિકસિત ભારત-2047 વિશે વક્તવ્ય યોજાયું

વડોદરાના કુંઢેલા ખાતે સ્થિત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના કાયમી કેમ્પસમાં યુનિવર્સિટીના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝ દ્વારા સોમવારથી બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનારનું ઉદ્ઘાટન કરાયું હતું. આઈસીએસએસઆર દ્વારા વિકસિત ભારત 2047 ભારતના વૈશ્વિક જોડાણને આકાર આપવો થીમ પર આ સેમિનારમાં વક્તાઓએ પોતાના વિચારો રજૂ કર્યા હતા.

પત્રિકા

राजस्थान पत्रिका

वडोदरा. गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ किया गया।

विकसित भारत 2047: भारत की वैश्विक सहभागिता को आकार देना विषयक एवं आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मणिपाल विश्वविद्यालय के प्रो. शेषाद्री चारी थे। उन्होंने विकास, वृद्धि और प्रगति के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए वैश्विक शांति और सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. चारी ने भारत की प्रगति को एकात्म मानवदर्शन और व्यष्टि से सृष्टि के दृष्टिकोण से पुनः मूल्यांकन करने की अपील की।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व रेक्टर प्रो. चिंतामणि महापात्र ने विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शांति, सामाजिक-राजनीतिक स्थिरता, शिक्षा, समानता और अच्छे शासन की महत्ता को रेखांकित किया। प्रो. महापात्र ने भारत द्वारा अपने पड़ोसियों, विस्तारित पड़ोस, वैश्विक दक्षिण और पूरी दुनिया के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों पर भी जोर दिया।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बताए पांच प्रण से हम विकसित भारत का स्वप्न साकार कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के डीन प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संगोष्ठी की महत्ता पर चर्चा की। संगोष्ठी का परिचय संयोजक एवं संस्थान की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने दिया। सहायक आचार्य डॉ. ईवा लोरेन्ना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वास आपका, साथ हमारा..
समाचार जगत

सीयूजी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

भारत की वैश्विक सहभागिता को बढ़ाने पर हुई चर्चा

समाचार जगत ब्यूरो

वडोदरा. गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के वडोदरा, कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान की ओर से सोमवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। रविकसित भारत 2047: भारत की वैश्विक सहभागिता को आकार देनार विषयक एवं आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, मणिपाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शेषाद्री चारी ने रविजन विकसित भारतर पर अपना व्यक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने विकास, वृद्धि और प्रगति के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए वैश्विक शांति और सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रो. चारी ने भारत की प्रगति को 'एकात्म मानवदर्शन' और 'व्यष्टि से सृष्टि' के दृष्टिकोण से पुनः मूल्यांकन करने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के डीन प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संगोष्ठी की महत्ता पर चर्चा की। संगोष्ठी का परिचय संयोजक एवं संस्थान की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने दिया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व रेक्टर प्रो. चिंतामणि महापात्र ने विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शांति, सामाजिक-राजनीतिक स्थिरता, शिक्षा, समानता और अच्छे शासन की महत्ता को रेखांकित किया।

प्रो. महापात्र ने भारत द्वारा अपने पड़ोसियों, विस्तारित पड़ोस, वैश्विक दक्षिण और पूरी दुनिया के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों पर भी जोर दिया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बताये 'पंच प्रण' से हम विकसित भारत का स्वप्न साकार कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि पहला प्रण है हम सभी यह प्रण ले कि देश विकसित भारत के प्रमुख संकल्प के साथ आगे बढ़े।

पत्रिका

वडोदरा के गुजरात केंद्रीय विवि में कैंपस कविता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के हिंदी विभाग और रेख्ता फ़ाउंडेशन-हिन्दवी के संयुक्त तत्वावधान में 'कैंपस कविता' का आयोजन किया गया। पहले सत्र में विद्यार्थियों अनिता राजपूत, अभिनव राज, आकाश, आरती अवस्थी, कुलदीप आशकिरण, अनुराग तिवारी, नलिनी अखावत, महक वी. मोढवाडिया, रघुवर चौधरी, रितिक वशिष्ठ, रितिका लुहार, रोहन कौशिक, वंदना और साक्षी मेहता ने स्वरचित कविता पाठ किया। प्रतियोगिता में वंदना ने प्रथम, रोहन कौशिक ने द्वितीय, कुलदीप आशकिरण ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आमंत्रित कवि विजय कुमार, आशीष त्रिपाठी एवं हरि मृदुल ने कविता पाठ किया। इस अवसर पर वंदना के ग़ज़ल संग्रह 'मशाल होने तक' का विमोचन किया गया। रोहन कौशिक ने संचालन एवं डॉ. गजेंद्र कुमार मीणा ने आभार व्यक्त किया। गुजरात के विश्वविद्यालयों के चयनित युवा कवियों की भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

20/03/2025 | Ahmedabad | Page : 5
Source : https://epaper.patrika.com/

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વ વિદ્યાલય ના એનએસએસ એકમ દ્વારા યોજાયેલ વાર્ષિક શિબીર કુંઢેલા ખાતે સંપન્ન

પ્રદિપ ચાવડા, અમદાવાદ :

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વ વિદ્યાલય ના એનએસએસ એકમ દ્વારા કુંઢેલા ગામ ખાતે તારીખ ૧૦ થી ૧૬ માર્ચ દરમિયાન વાર્ષિક શિબિરનું આયોજન કરવામાં આવેલ હતું. જેનો સમાપન સમારોહ ગત તારીખ ૧૭ માર્ચના રોજ ગુજરાત કેન્દ્ર વિશ્વ વિદ્યાલયના કુલપતિ પ્રો રમાશંકર દુબે ની હાજરીમાં કુંઢેલા ગામ ખાતે સંપન્ન થયો.

આ કાર્યક્રમમાં એનએસએસ પ્રોગ્રામ કોર્ડીનેટર ડો મનોજ વનરા તેમજ પ્રોગ્રામ ઓફિસર ડો કુલદીપ જોશી તથા ડો સંગીતાબેન ચૌધરી હાજર રહ્યા હતા આ કાર્યક્રમમાં કુંઢેલા ગામના ગ્રામજનો પણ મોટી સંખ્યામાં ઉપસ્થિત રહી સૌને પ્રોત્સાહિત કરેલ હતા.

આ સમાપન સમારોહમાં પ્રોગ્રામ કોર્ડીનેટર ડો મનોજભાઈ વનરા દ્વારા સમાહ દરમિયાન આયોજિત થયેલા વિવિધ કાર્યક્રમો ની સંપૂર્ણ વિગતો આપવામાં આવી હતી તથા કેમ્પમાં ભાગ લેનાર વિદ્યાર્થીઓના અનુભવ કથન તથા સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમ ની રજૂઆત કરવામાં આવી હતી સાથે સ્વયંસેવકો દ્વારા સમાહ દરમિયાન થયેલા કાર્યક્રમની એક નાની ડોક્યુમેન્ટરી ની રજૂઆત કરવામાં આવી હતી.

કાર્યક્રમને સફળ બનાવનાર પ્રાધ્યાપક ગણ તથા સ્વયંસેવક ગણનો પુસ્તક દ્વારા અભિવાદન કરવામાં આવ્યું હતું. કાર્યક્રમના અધ્યક્ષ પ્રોફેસર રમાશંકર દુબે દ્વારા સેવાનું મહત્વ એનએસએસ નો અભિગમ તથા તેનો રાષ્ટ્ર નિર્માણમાં યોગદાન અંગે માર્ગદર્શન મળ્યું. આ ઉપરાંત સ્વચ્છતા સ્વાસ્થ્ય અને લોકતંત્રમાં એનએસએસ દ્વારા યુવાનોની ભાગીદારી માટે નું શ્રેષ્ઠ માર્ગદર્શન મળ્યું.

અંતમાં પ્રોગ્રામ ઓફિસર ડો. કુલદીપભાઈ જોશી દ્વારા આભાર વિધિ કરવામાં આવ્યા બાદ સમારોહના અંતમાં ઉપસ્થિત સહુ કોઈ સ્વરુચિ અલ્પાહાર કરી છુટા પડ્યા હતા.

गुजरात वैभव

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में "भारतीय साहित्य : भाव एक, भाषाएं अनेक" विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन कल से

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा भारतीय हिंदी प्राध्यापक परिषद के साथ संयुक्त तत्वावधान में "भारतीय साहित्य: भाव एक, भाषाएं अनेक" विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 08-09 मार्च को कुंढेला स्थित विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्थायी परिसर में होगा। संगोष्ठी में भक्ति काल तथा नवजागरण एवं स्वाधीनता संघर्ष काल के भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की अध्यक्षता में ज्ञानपीठ से सम्मानित गुजराती साहित्यकार, पद्मश्री रघुवीर चौधरी संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। प्रो. विनोद मिश्र (त्रिपुरा) प्रो.रामप्रकाश (आंध्र प्रदेश) प्रो. टी जे रेखारानी (तेलंगाना) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि प्रो. शंभुनाथ (अलीगढ़), प्रो. नवीनचंद्र लोहनी (मेरठ), प्रो. श्रद्धा सिंह (वाराणसी), प्रो. अनिल राय (गोरखपुर), प्रो. नरेंद्र मिश्र, प्रो. भारती गोरे, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. राजेश पासवान, डॉ.सूरज कुमार, डॉ. मुकेश मिरोठा, प्रो. स्मिता मिश्र (दिल्ली), प्रो. गुरमीत सिंह (चंडीगढ़), प्रो. गजेन्द्र पाठक, डॉ. प्रियदर्शिनी (हैदराबाद), प्रो. मनीषा झा (सिलीगुड़ी), प्रो. राजेश श्रीवास्तव (भोपाल), सहित देश भर के महाविद्यालयों के हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। हिंदी पाठ्यक्रम एवं शिक्षण में नवाचार एवं रोजगार पर सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | जयपुर, शुक्रवार, 7 मार्च, 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2081

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

70वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

जनभावना के साथ रहना अखबार का परम कर्तव्य है... प्रथम आवश्यकता है। **अखबार के लिए पाठक की सर्वेसर्वा है... पाठक ही सब कुछ है।**

श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश

सीयूजी में हिन्दी प्राध्यापक सम्मलेन कल से

भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर होगी चर्चा, दो दिनों तक चलेगी

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के हिन्दी विभाग की ओर से भारतीय हिंदी प्राध्यापक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन का आयोजन 8 और 9 मार्च को होगा। कुंढेला स्थित विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्थायी परिसर में भारतीय साहित्यः भाव एक, भाषाएं अनेक विषय पर आयोजित होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन में भक्ति काल, नवजागरण एवं स्वाधीनता संघर्ष काल के भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की अध्यक्षता में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित गुजराती साहित्यकार पद्मश्री रघुवीर चौधरी संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। प्रो. विनोद मिश्र (त्रिपुरा), प्रो. रामप्रकाश (आंध्र प्रदेश), प्रो टी जे रेखारानी (तेलगाना) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि देशभर के महाविद्यालयों के हिंदी प्राध्यापक इस सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। सम्मेलन में हिंदी पाठ्यक्रम व शिक्षण में नवाचार और रोजगार पर चर्चा की जाएगी।

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन में भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर होगी चर्चा

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित होगा दो दिवसीय सम्मेलन

समाचार जगत ब्यूरो

■■■

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा भारतीय हिंदी प्राध्यापक परिषद के साथ संयुक्त तत्वावधान में "भारतीय साहित्य: भाव एक, भाषाएं अनेक" विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 08-09 मार्च को कुंढेला स्थित विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्थायी परिसर में होगा। संगोष्ठी में भक्ति काल तथा नवजागरण एवं स्वाधीनता संघर्ष काल के भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे की अध्यक्षता में आनलाइन से सम्मानित गुजराती साहित्यकार, पद्मश्री रघुवीर चौधरी संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। प्रो. विनोद मिश्र (त्रिपुरा) प्रो. रामप्रकाश (आंध्र प्रदेश) प्रो. टी जे रेखारानी (तेलंगाना) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि प्रो. शंभुनाथ (अलीगढ़), प्रो. नवीनचंद्र लोहनी (मेरठ), प्रो. श्रद्धा सिंह (वाराणसी), प्रो. अनिल राय (गोरखपुर), प्रो. नरेंद्र मिश्र, प्रो. भारती गोरे, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. राजेश पासवान, डॉ. सूरज कुमार, डॉ. मुकेश मिरोठा, प्रो. स्मिता मिश्र (दिल्ली), प्रो. गुरमीत सिंह (चंडीगढ़), प्रो. गजेन्द्र पाठक, डॉ. प्रियदर्शिनी (हैदराबाद), प्रो. मनीषा झा (सिलीगुड़ी), प्रो. राजेश श्रीवास्तव (भोपाल), प्रो. गौरी त्रिपाठी (बिलासपुर), प्रो. रीना सिंह (लखनऊ), प्रो. अपर्णा पाटील (पैठण), प्रो. श्यामसुन्दर पांडे (मुंबई), प्रो. कल्पना गवली, प्रो. अनुपा चौहान (वडोदरा) प्रो. सुशील धमाणी (आदीपुर), डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, कृष्ण श्रीवास्तव, सत्या उपाध्याय (कोलकाता), डॉ. आशा गहलोत, डॉ. रमिता गुरव (गोवा) डॉ. मैथिली राव (बेंगलुरु) प्रो. अंजू शर्मा, डॉ. भगवती (जम्मू) डॉ. लावण्या (चेन्नई), डॉ. दीपक त्रिपाठी (भभुवनी), प्रो. मिथिलेश सिंह (हजारीबाग) सहित देश भर के महाविद्यालयों के हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन में सहभागिता करेंगे।

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0
न्यूनतम तापमान: 21.0
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 247 जयपुर, शुक्रवार, 07 मार्च 2025 पृष्ठ:8 मूल्य: ₹1.50

अब होगी खूबियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
संजीवनी टुडे

हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन में भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर होगी चर्चा

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित होगा दो दिवसीय सम्मेलन

■ संजीवनी टुडे

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा भारतीय हिंदी प्राध्यापक परिषद के साथ संयुक्त तत्वावधान में ऌभारतीय साहित्यः भाव एक, भाषाएं अनेकक्क विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 08-09 मार्च को कुंढेला स्थित विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्थायी परिसर में होगा। संगोष्ठी में भक्ति काल तथा नवजागरण एवं स्वाधीनता संघर्ष काल के भारतीय साहित्य की भावात्मक एकता पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की अध्यक्षता में ज्ञानपीठ से सम्मानित गुजराती साहित्यकार, पद्मश्री रघुवीर चौधरी संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे।

प्रो. विनोद मिश्र (त्रिपुरा) प्रो. रामप्रकाश (आंध्र प्रदेश) प्रो. टी जे रेखारानी (तेलंगाना) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने बताया कि प्रो. शंभुनाथ (अलीगढ़), प्रो. नवीनचंद्र लोहनी (मेरठ), प्रो. श्रद्धा सिंह (वाराणसी), प्रो. अनिल राय (गोरखपुर), प्रो. नरेंद्र मिश्र, प्रो. भारती गोरे, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. राजेश पासवान, डॉ.सूरज कुमार, डॉ. मुकेश मिरोठा, प्रो. स्मिता मिश्र (दिल्ली), प्रो. गुरमीत सिंह

(चंडीगढ़), प्रो. गजेन्द्र पाठक, डॉ. प्रियदर्शिनी (हैदराबाद), प्रो. मनीषा झा (सिलीगुड़ी), प्रो. राजेश श्रीवास्तव (भोपाल), प्रो. गौरी त्रिपाठी (बिलासपुर), प्रो. रीना सिंह (लखनऊ), प्रो. अपर्णा पाटील (पैठण), प्रो. श्यामसुन्दर पांडे (मुंबई), प्रो. कल्पना गवली, प्रो. अनूपा चौहान (वडोदरा), प्रो. सुशील धर्माणी (आदीपुर), डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, कृष्ण श्रीवास्तव, सत्या उपाध्याय (कोलकाता), डॉ. आशा गहलोत, डॉ. रमिता गुरव (गोवा), डॉ. मैथिली राव (बेंगलुरू) प्रो. अंजू शर्मा, डॉ. भगवती (जम्मू), डॉ. लावण्या (चेन्नई), डॉ. दीपक त्रिपाठी (मधुबनी), प्रो. मिथिलेश सिंह (हजारीबाग) सहित देश भर के महाविद्यालयों के हिंदी प्राध्यापक सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। हिंदी पाठ्यक्रम एवं शिक्षण में नवाचार एवं रोजगार पर सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।

AHMEDABAD, MONDAY, MARCH 3, 2025 www.ahmedabadmirror.com 20* Pages PRICE Rs 2.00

Ahmedabad Mirror

To advertise with us, call 98256 12227 | To order your copy, call 95123 08178 or for subscription, mail subscribe@ahmedabadmirror.com

TEMPERATURE Max 34.6 | Min 21.5 | Humidity 21% | CLEAR SKY | Sunrise 0659 hrs | Sunset 1844 hrs | Moonrise 0906 hrs | Moonset 2221 hrs

Ahmedabad Mirror Mon, 03 March 2025
https://epaper.ahmedabadmirror.com/c/76908148

Experts speak at two-day national seminar at CUG

The two-day national seminar, jointly organised by the School of International Studies at Central University of Gujarat (CUG) and the Atal Bihari Vajpayee Institute of Policy Research and International Studies (AIPRIS) at Maharaja Sayajirao University of Baroda (MSU), was inaugurated by Rajmata Shubhangini Raje Gaekwad, the Chancellor of MSU. During the inaugural session of the seminar titled "Ideas of India's Eminent Educational Thinkers and Transformative Education through NEP 2020," Rajmata highlighted that institutions like CUG and MSU have worked towards advancing the identity of Gujarat. She emphasised Maharaja Sayajirao Gaekwad's contributions to education, noting that even before independence, the literacy rate in the Baroda state was 100%. She also mentioned the efforts to promote the country's culture and art, which continue to have an impact today. The keynote speaker, social activist Laxman Guntha, remarked that India's history is glorious, and people from around the world came to study here.

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 246 जयपुर, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 पृष्ठ:8 मूल्य: ₹1.50

अब होगी खुशियों की बात
संजीवनी टुडे के साथ
संजीवनी टुडे

भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में चिंतकों और शिक्षकों का योगदान

महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने किया संबोधित

■ संजीवनी टुडे

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (एमएसयू) के अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एआईपीआरआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को एमएसयू की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। गुरुवार को कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में "भारत के प्रमुख शैक्षिक विचारकों के विचार और एनईपी -2020 के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा" विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राजमाता ने कहा कि सीयूजी और एमएसयू जैसे शिक्षण संस्थानों ने गुजरात राज्य की अस्मिता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ के शिक्षा पर योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व भी बड़ौदा राज्य की प्राथमिक साक्षरता दर सौ फीसदी थी।

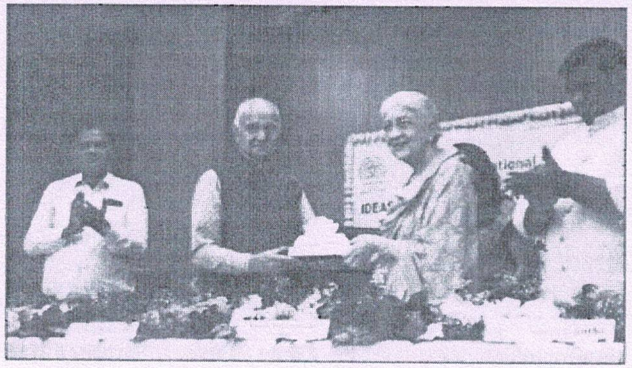

उन्होंने देश की संस्कृति एवं कला को बढ़ावा देने का कार्य किया था, जिसका प्रभाव वर्तमान समय में भी है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता गुंथा लक्ष्मण ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। यहां अध्ययन के लिए विश्वभर से लोग आते थे। भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में हमारे चिंतकों और शिक्षकों का बड़ा योगदान रहा है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक चर्चाओं के साथ आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एआईपीआरआईएस के निदेशक प्रो. अमित ढोलकिया ने सीयूजी के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान एवं एमएसयू के एआईपीआरआईएस के बीच एमओयू होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटिश काल से पूर्व ही भारत को शिक्षण में महारथ हासिल थी। एनईपी 2020 के माध्यम से अब भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा। उपाध्यक्षता करते हुए एमएसयू के प्रभारी कुलपति प्रो. धनेष पटेल ने आचार्य चाणक्य, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ ठाकुर, महर्षि अरविंद और पंडित मदन मोहन मालवीय के शिक्षा के क्षेत्र में किये योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और एनईपी-2020 के बीच समानताओं के बारे में बताया। इस दौरान सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का मार्गदर्शन किया था। उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय इस संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को एमएसयू में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच. बी. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं संस्थान की डॉ. प्रीति शर्मा ने मंच संचालन किया।

संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा

सन् : 1992

गुजरात वैभव

अहमदाबाद** शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025 वर्ष 33, अंक 104, पृष्ठ-12 मूल्य-रु 3/-

Registration No-54924 92
gujaratvaibhav.com

सीयूजी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन राजमाता शुभांगिनी राजे गायकवाड़ ने किया

भारत की समृद्ध शिक्षा में चिंतकों और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान

वडोदरा। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (एमएसयू) के अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एआईपीआरआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को एमएसयू की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। गुरुवार को कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में 'भारत के प्रमुख शैक्षिक विचारकों के विचार और

एनईपी -2020 के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा' विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राजमाता ने कहा कि सीयूजी और एमएसयू जैसे शिक्षण संस्थानों ने गुजरात राज्य की अस्मिता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक चर्चाओं के साथ आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एआईपीआरआईएस के निदेशक प्रो. अमित ढोलकिया ने कहा कि ब्रिटिश काल से पूर्व ही भारत को शिक्षण में महारथ हासिल थी। एनईपी-2020 के माध्यम से अब भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा। इस दौरान एमएसयू के प्रभारी कुलपति प्रो. धनेष ने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और एनईपी-2020 के बीच समानताओं के बारे में बताया। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का मार्गदर्शन किया था। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच. बी. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं संस्थान की डॉ. प्रीति शर्मा ने मंच संचालन किया।

સુવિચાર
યાદ કરો - જીવનમાં દરેક કઠોરની પરિસ્થિતિએ તમને વધુ મજબૂત અને સમજદાર બનાવ્યા.

સાચી વાત બેધડક
દિવ્ય ભાસ્કર
નવરંગ
આજની પૂર્તિ

કુલ પાનાં : 22 + 4 + 4 (નવરંગ) = 30
કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 22, અંક 275, મહાનગર

divyabhaskar.com | અમદાવાદ, શુક્રવાર, 28 ફેબ્રુઆરી, 2025 | ગુજરાત | ફાગણ સુદ-1, વિક્રમ સંવત 2081 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

સીયુજી એમએસયુના રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં શૈક્ષણિક વિચારધારા પર ચર્ચા: રાજમાતા શુભાંગીરાજે ગાયકવાડે NEP-2020 અંગે કહ્યું- ગુજરાતની શૈક્ષણિક સંસ્થાઓએ રાજ્યની ઓળખ વધારી

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

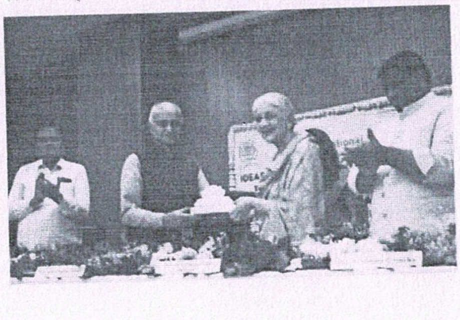

કૅપિટલ વર્તમાન

ભારતની સમૃદ્ધ શૈક્ષણિક પરંપરામાં વિચારકો અને શિક્ષકોનું યોગદાન

સીયુજીમા બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં નિષ્ણાતોએ સંવાદ સાધ્યો, મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટીના ચાન્સેલર રાજમાતા શુભાંગી રાજે ગાયકવાડે સંબોધન કર્યું

[illegible]

▪ दिल्ली से प्रकाशित
बिज़नेस रेमेडीज

'भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में चिंतकों और शिक्षकों का योगदान'

बिज़नेस रेमेडीज/वडोदरा।

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (एमएसयू) के अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एआईपीआरआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को एमएसयू की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

गुरुवार को कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में 'भारत के प्रमुख शैक्षिक विचारकों के विचार और एनईपी -2020 के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा' विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राजमाता ने कहा कि सीयूजी और एमएसयू जैसे शिक्षण संस्थानों ने गुजरात राज्य की अस्मिता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ के शिक्षा पर योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व भी बड़ौदा राज्य की प्राथमिक साक्षरता दर सौ फीसदी थी। उन्होंने देश की संस्कृति एवं कला को बढ़ावा देने का कार्य किया था, जिसका प्रभाव वर्तमान समय में भी है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता गुंथा लक्ष्मण ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। यहां अध्ययन के लिए विश्वभर से लोग आते थे। भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में हमारे चिंतकों और शिक्षकों का बड़ा योगदान रहा है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक चर्चाओं के साथ आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एआईपीआरआईएस के निदेशक प्रो. अमित ढोलकिया ने सीयूजी के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान एवं एमएसयू के एआईपीआरआईएस के बीच एमओयू होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटिश काल से पूर्व ही भारत को शिक्षण में महारथ हासिल थी। एनईपी-2020 के माध्यम से अब भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा।

शिक्षा में भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का समावेश

: उपाध्यक्षता करते हुए एमएसयू के प्रभारी कुलपति प्रो. धनेष पटेल ने आचार्य चाणक्य, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ ठाकुर, महर्षि अरविंद और पंडित मदन मोहन मालवीय के शिक्षा के क्षेत्र में किये योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और एनईपी-2020 के बीच समानताओं के बारे में बताया। इस दौरान सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का मार्गदर्शन किया था। 1922 से 1929 तक महाराजा सयाजीराव बीएचयू के चांसलर भी रहे। पूर्व में मैकाले की शिक्षा पद्धति से प्रभावित होकर देश में पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर शिक्षा दी जाती थी। पहली बार महामना ने बीएचयू की स्थापना कर भारतीय मूल्यों के आधार पर शिक्षा देने की शुरुआत की। इस दौरान एमएस यूनिवर्सिटी के पीजी स्टूडेंट्स द्वारा एनईपी-2020 पर लिखी पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

પત્રિકા

राजस्थान पत्रिका

सीयूजी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले विशेषज्ञ

भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में चिंतकों और शिक्षकों का योगदान

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में "भारत के प्रमुख शैक्षिक विचारकों के विचार और एनईपी -2020 के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा" विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। सीयूजी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बडौदा (एमएसयू) के अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एआईपीआरआईएस) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को एमएसयू की कुलाधिपति पूर्व राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सीयूजी और एमएसयू जैसे शिक्षण संस्थानों ने गुजरात राज्य की अस्मिता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने पूर्व महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ के शिक्षा पर योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व भी बडौदा राज्य की प्राथमिक साक्षरता दर सौ फीसदी थी। उन्होंने देश की संस्कृति एवं कला को बढ़ावा देने का कार्य किया था, जिसका प्रभाव वर्तमान समय में भी है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एव सामाजिक कार्यकर्ता गुंथा लक्ष्मण ने कहा कि भारत की समृद्ध शिक्षण परपरा में हमारे चितकों और शिक्षकों का बड़ा योगदान रहा है।

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक चर्चाओं के साथ आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एआईपीआरआईएस के निदेशक प्रो. अमित ढोलकिया ने सीयूजी के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान एवं एमएसयू के एआईपीआरआईएस के बीच एमओयू होने के बारे में जानकारी दी।

शिक्षा में आध्यात्मिकता का समावेश

एमएसयू के प्रभारी कुलपति प्रो. धनेष पटेल ने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और एनईपी-2020 के बीच समानताओं के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता करते हुए सीयूजी के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि बड़ौदा के पूर्व महाराजा सयाजीराव ने पंडित मदन मोहन मालवीय का मार्गदर्शन किया था। 1922 से 1929 तक पूर्व महाराजा सयाजीराव बीएचयू के चांसलर भी रहे। मालवीय ने बीएचयू की स्थापना कर भारतीय मूल्यों के आधार पर शिक्षा देने की शुरुआत की।

पुस्तक का विमोचन

एमएस यूनिवर्सिटी के पीजी स्टूडेंट्स की ओर से एनईपी-2020 पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया गया। संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को एमएसयू में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो एच बी पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्थान की डॉ. प्रीति शर्मा ने संचालन किया।

सांध्य ज्योति दर्पण

www.sandhyajyotidarpan.com

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता तय करेगी हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं : डॉ. गार्गी कौल

सीयूजी में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में साइबर सुरक्षा पर चर्चा

वडोदरा, 25 फरवरी (एजेंसी)। भारत में शोध एवं विकास के साथ ही वित्तीय निवेशन की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ही तय करेगी कि हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं। ये कहना था पूर्व सचिव डिफेंस फाइनेंस, रक्षा मंत्रालय डॉ. गार्गी कौल का। वे सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संकाय के सामरिक प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय 'नेशनल सिक्योरिटी : नेविगेटिंग इंटरसेक्शन ऑफ टेक्नोलॉजी, लॉ एंड डिफेंस' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने कहा कि साइबर सुरक्षा हम सभी का नैतिक कर्तव्य है, हमें इसके लिए जागरूकता बढ़ानी होगी। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्मुख चुनौतियों का परिवेश समय के साथ परिवर्तित होता रहा है।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर सुरक्षित साइबर स्पेस निर्माण पर दिया जोर : वर्तमान में साइबर स्पेस एक नया वार फ्रंट हो गया है। हमें आवश्यकता है इन चुनौतियों को अवसर में बदलकर एक सुरक्षित साइबर स्पेस का निर्माण करने की। इस दौरान प्रथम तकनीकी सत्र में साइबर विशेषज्ञ भौमिक मर्चेंट ने प्रभावी शासन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। दूसरे तकनीकी सत्र में पारूल विश्वविद्यालय की प्रो. दीपल पटेल ने साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक पक्षों की उदाहरण के साथ व्याख्या की। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपराध विभिन्न मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभावों को जन्म देते हैं। इस दौरान डॉ. टी.के. सिंह ने साइबर पॉलिसी ऑफ इंडिया के विभिन्न आयामों को सरल ढंग से समझाया। विभाग के प्रो. अरुण विश्वनाथन ने उक्त तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि सुरक्षा सावधानी की अनुगामिनी है अतः साइबर सेफ भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। चार सत्रों में विभाजित सेमिनार में डॉ. विश्वास गवल, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. अमित मुखर्जी समेत विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित रहें।

001 फोल्डर

बिज़नेस रेमेडीज

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता तय करेगी हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं : डॉ. गार्गी कौल

सीयूजी में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में साइबर सुरक्षा पर चर्चा हुई

बिज़नेस रेमेडीज/वडोदरा।

भारत में शोध एवं विकास के साथ ही वित्तीय निवेशन की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ही तय करेगी कि हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं। ये कहना था, पूर्व सचिव, डिफेंस फाइनेंस, रक्षा मंत्रालय डॉ. गार्गी कौल का। वे सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संकाय के सामरिक प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय 'नेशनल सिक्योरिटी : नेविगेटिंग इंटरसेक्शन ऑफ टेक्नोलॉजी,लॉ एंड डिफेंस' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने कहा कि साइबर सुरक्षा हम सभी का नैतिक कर्तव्य है, हमें इसके लिए जागरूकता बढ़ानी होगी। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्मुख चुनौतियों का परिवेश समय के साथ परिवर्तित होता रहा है।

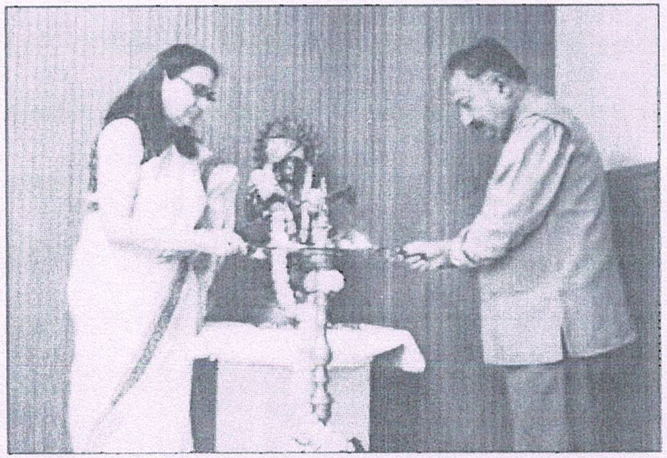

चुनौतियों को अवसर में बदलकर सुरक्षित साइबर स्पेस निर्माण पर दिया जोर : वर्तमान में साइबर स्पेस एक नया वार फ्रंट हो गया है। हमें आवश्यकता है इन चुनौतियों को अवसर में बदलकर एक सुरक्षित साइबर स्पेस का निर्माण करने की। इस दौरान प्रथम तकनीकी सत्र में साइबर विशेषज्ञ भौमिक मर्चेंट ने प्रभावी शासन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। दूसरे तकनीकी सत्र में पारूल विश्वविद्यालय की प्रो. दीपल पटेल ने साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक पक्षों की उदाहरण के साथ व्याख्या की। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपराध विभिन्न मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभावों को जन्म देते हैं। इस दौरान डॉ. टी के सिंह ने साइबर पॉलिसी ऑफ इंडिया के विभिन्न आयामों को सरल ढंग से समझाया। विभाग के प्रो. अरुण विश्वनाथन ने उक्त तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि सुरक्षा सावधानी की अनुगामिनी है अत- साइबर सेफ भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। चार सत्रों में विभाजित सेमिनार में डॉ. विश्वास रावल, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. अमित मुखर्जी समेत विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित रहें।

विश्वास आपका, साथ हमारा...
समाचार जगत

सीयूजी में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में साइबर सुरक्षा पर हुई चर्चा

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता तय करेगी हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं : डॉ. गार्गी कौल

वडोदरा, समाचार जगत ब्यूरो. भारत में शोध एवं विकास के साथ ही वित्तीय निवेशन की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ही तय करेगी कि हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं। ये कहना था, पूर्व सचिव, डिफेंस फाइनेंस, रक्षा मंत्रालय डॉ. गार्गी कौल का। वे सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संकाय के सामरिक प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय "नेशनल सिक्योरिटी : नेविगेटिंग इंटरसेक्शन ऑफ टेक्नोलॉजी,लॉ एंड डिफेंस" विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने कहा कि साइबर सुरक्षा हम सभी का नैतिक कर्त्तव्य है, हमें इसके लिए जागरूकता बढ़ानी होगी। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्मुख चुनौतियों का परिवेश समय के साथ परिवर्तित होता रहा है। चुनौतियों को अवसर में बदलकर सुरक्षित साइबर स्पेस निर्माण पर दिया जोर वर्तमान में साइबर स्पेस एक नया वार फ्रंट हो गया है। हमें आवश्यकता है इन चुनौतियों को अवसर में बदलकर एक सुरक्षित साइबर स्पेस का निर्माण करने की। इस दौरान प्रथम तकनीकी सत्र में साइबर विशेषज्ञ भौमिक मर्चेंट ने प्रभावी शासन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। दूसरे तकनीकी सत्र में पारूल विश्वविद्यालय की प्रो. दीपल पटेल ने साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक पक्षों की उदाहरण के साथ व्याख्या की। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपराध विभिन्न मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभावों को जन्म देते हैं।

दैनिक संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता तय करेगी हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं : डॉ. गार्गी कौल

संजीवनी टुडे

सीयूजी में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में साइबर सुरक्षा पर हुई चर्चा

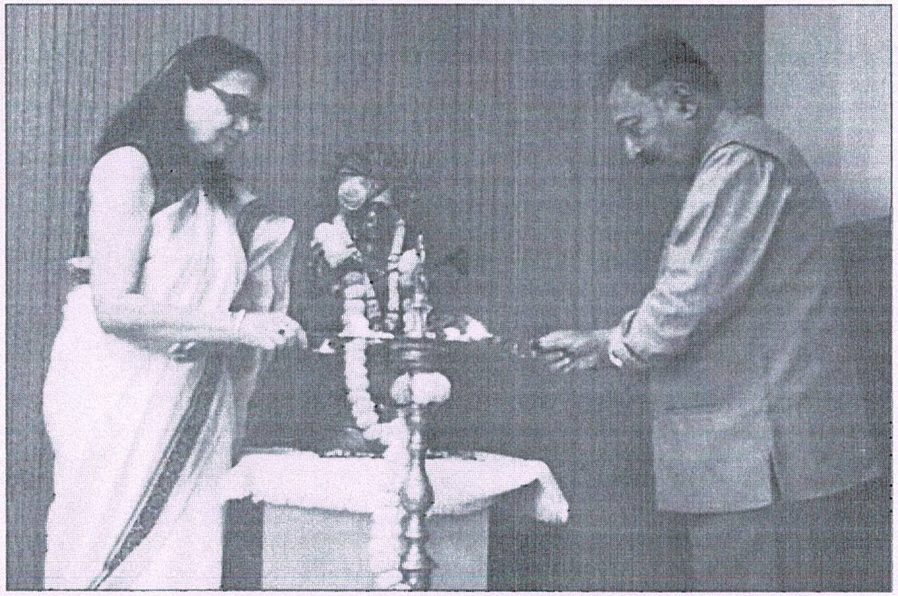

वडोदरा। भारत में शोध एवं विकास के साथ ही वित्तीय निवेशन की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ही तय करेगी कि हमारा डेटा सुरक्षित है या नहीं। ये कहना था, पूर्व सचिव, डिफेंस फाइनेंस, रक्षा मंत्रालय डॉ. गार्गी कौल का। वे सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संकाय के सामरिक प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय ‟नेशनल सिक्योरिटी : नेविगेटिंग इंटरसेक्शन ऑफ टेक्नोलॉजी,लॉ एंड डिफेंस" विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संयोजक डॉ. श्रीश कुमार तिवारी ने कहा कि साइबर सुरक्षा हम सभी का नैतिक करत्तव्य है, हमें इसके लिए जागरूकता बढ़ानी होगी। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्मुख चुनौतियों का परिवेश समय के साथ परिवर्तित होता रहा है। वर्तमान में साइबर स्पेस एक नया वार फ्रंट हो गया है। हमें आवश्यकता है इन चुनौतियों को अवसर में बदलकर एक सुरक्षित साइबर स्पेस का निर्माण करने की। इस दौरान प्रथम तकनीकी सत्र में साइबर विशेषज्ञ भौमिक मर्चेंट ने प्रभावी शासन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। दूसरे तकनीकी सत्र में पारूल विश्वविद्यालय की प्रो. दीपल पटेल ने साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक पक्षों की उदाहरण के साथ व्याख्या की। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपराध विभिन्न मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभावों को जन्म देते हैं। इस दौरान डॉ. टी के सिंह ने साइबर पॉलिसी ऑफ इंडिया के विभिन्न आयामों को सरल ढंग से समझाया। विभाग के प्रो. अरुण विश्वनाथन ने उक्त तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने कहा कि सुरक्षा सावधानी की अनुगामिनी है अतः साइबर सेफ भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। चार सत्रों में विभाजित सेमिनार में डॉ. विश्वास रावल, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. अमित मुखर्जी समेत विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित रहें।

गुजरात वैभव

सीयूजी में गुजराती अध्यापक संघ का 74वां अधिवेशन सम्पन्न

दो दिवसीय अधिवेशन में वक्ताओं ने रखें विचार

वडोदरा

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में रविवार को दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। गुजराती अध्यापक संघ के 74वें अधिवेशन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। उल्लेखनीय है कि गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय और झवेरचन्द मेघाणी लोक साहित्य केन्द्र, राजकोट के संयुक्त तत्वावधान में आोजित इस अधिवेशन में गुजरात राज्य के अध्यापक संघ के अध्यापकों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की उपस्थिति में अधिवेशन की बैठक सम्पन्न हुई। प्रो. दूबे ने अपने व्याख्यान में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के बारे में भी चर्चा करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनईपी-2020 के बारे में कहा कि जब हमारी भाषा समृद्ध हो और साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाए तो गुजराती भाषा को भी इसमें स्थान मिले ताकि भाषा को बढ़ावा मिल सके।अधिवेशन अध्यापक संघ के अध्यक्ष रमेश मेहता की अध्यक्षता में किया गया। अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के दौरान संघ के नए अध्यक्ष के रूप में जे.एम. चंद्रवाडिया ने कार्यभार संभाला। इस अवसर पर नए शिक्षकों द्वारा हाल ही में प्रकाशित पुस्तकों पर समीक्षात्मक व्याख्यान दिए गए। इसके साथ ही कथा-काव्य की परंपरा पर आयोजित दूसरी बैठक में मणिलाल एच. पटेल ('हिमाख्यान'-हरिश मिनाश्रु), सचिन केतकर (बाबू सुथार की 'नदीचालीसा') और नरेश शुक्ल ('सुवर्णमृग'-राजेश पंड्या) पर व्याख्यान दिए गए। अधिवेशन के दूसरे दिन सहदेव लुहार ने 'लोकसाहित्य और नृवंशशास्त्र', हेमंत दवे ने 'लोकसाहित्य और इतिहास', और भरत पंड्या ने 'लोकसाहित्य और मानसशास्त्र' पर व्याख्यान दिए। अधिवेशन में 98 गुजराती विषय के शिक्षक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के प्रो. अजयसिंह चौहान और प्रो. राजेश मकवाणा द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि शिक्षक संघ द्वारा शैक्षणिक और साहित्यिक मूल्यों के संवर्धन के लिए हर साल विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

gujaratvaibhav.com

गुजरात वैभव

सीयूजी में गुजराती अध्यापक संघ का 74वां अधिवेशन सम्पन्न

दो दिवसीय अधिवेशन में वक्ताओं ने रखें विचार

वडोदरा

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में रविवार को दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। गुजराती अध्यापक संघ के 74वें अधिवेशन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। उल्लेखनीय है कि गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय और झवेरचन्द मेघाणी लोक साहित्य केन्द्र, राजकोट के संयुक्त तत्वावधान में आोजित इस अधिवेशन में गुजरात राज्य के अध्यापक संध के अध्यापकों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की उपस्थिति में अधिवेशन की बैठक सम्पन्न हुई। प्रो. दूबे ने अपने व्याख्यान में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के बारे में भी चर्चा करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनईपी-2020 के बारे में कहा कि जब हमारी भाषा समृद्ध हो और साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाए तो गुजराती भाषा को भी इसमें स्थान मिले ताकि भाषा को बढ़ावा मिल सके।अधिवेशन अध्यापक संघ के अध्यक्ष रमेश मेहता की अध्यक्षता में किया गया। अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के दौरान संघ के नए अध्यक्ष के रूप में जे.एम. चंद्रवाडिया ने कार्यभार संभाला। इस अवसर पर नए शिक्षकों द्वारा हाल ही में प्रकाशित पुस्तकों पर समीक्षात्मक व्याख्यान दिए गए। इसके साथ ही कथा-काव्य की परंपरा पर आयोजित दूसरी बैठक में मणिलाल एच. पटेल ('हिमाख्यान'-हरिश मिनाश्रु), सचिन केतकर (बाबू सुथार की 'नदीचालीसा') और नरेश शुक्ल ('सुवर्णमृग'-राजेश पंड्या) पर व्याख्यान दिए गए। अधिवेशन के दूसरे दिन सहदेव लुहार ने 'लोकसाहित्य और नृवंशशास्त्र', हेमंत दवे ने 'लोकसाहित्य और इतिहास', और भरत पंड्या ने 'लोकसाहित्य और मानसशास्त्र' पर व्याख्यान दिए। अधिवेशन में 98 गुजराती विषय के शिक्षक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के प्रो. अजयसिंह चौहान और प्रो. राजेश मकवाणा द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि शिक्षक संघ द्वारा शैक्षणिक और साहित्यिक मूल्यों के संवर्धन के लिए हर साल विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

gujaratvaibhav.com

TG

તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY- AHMEDABAD)

RNI No. GUJGUJ/2011/41611

દૈનિક - અમદાવાદ

માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ વર્ષ- 14 અંક- 211 તા.17-02-2025 સોમવાર કિંમતઃ ₹ 1/- પાના : 04 E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

ગુજરાતી શિક્ષક સંઘનું ૭૪મું અધિવેશન CUGમાં સંપન્ન થયું બે દિવસીય સંમેલન દરમિયાન વક્તાઓએ પોતાના વિચારો રજૂ કર્યા

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

વડોદરા. બે દિવસીય સંમેલન રવિવારે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુંઢેલા ખાતેના કાયમી કેમ્પસમાં પૂર્ણ થયું. ગુજરાતી શિક્ષક સંઘનું ૭૪મું અધિવેશન યુનિવર્સિટી કેમ્પસમાં યોજાયું હતું. ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી અને ઝવેરચંદ મેઘાણી લોક સાહિત્ય કેન્દ્ર, રાજકોટના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત આ સંમેલનમાં ગુજરાત રાજ્ય શિક્ષક સંઘના શિક્ષકોએ ભાગ લીધો હતો. યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેની ઉપસ્થિતિમાં સંમેલનની ઉદ્ઘાટન બેઠકનું સમાપન થયું. પ્રો. રમાશંકર દુબેએ તેમના વ્યાખ્યાનમાં "એક ભારત શ્રેષ્ઠ ભારત" વિશે પણ ચર્ચા કરી અને સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલની ભૂમિકા પર પ્રકાશ પાડ્યો. તેમણે **NEP-2020** વિશે કહ્યું કે જ્યારે આપણી ભાષા સમૃદ્ધ થાય છે અને સાહિત્યનો અન્ય ભાષાઓમાં અનુવાદ થાય છે, ત્યારે ગુજરાતી ભાષાને પણ તેમાં સ્થાન મળવું જોઈએ જેથી ભાષાનો પ્રચાર થઈ શકે. આ સંમેલનની અધ્યક્ષતા ગુજરાતીના અધ્યાપક સંઘના પ્રમુખ રમેશ મહેતાએ કરી હતી. સંમેલનના ઉદ્ઘાટન સમારોહ દરમિયાન પ્રો. જે. એમ. ચંદ્રાવાડિયાને એસોસિએશનના નવા પ્રમુખ તરીકે જાહેર કરવામાં આવ્યા. આ પ્રસંગે, નવ નિયુક્ત અધ્યાપકો દ્વારા તાજેતરમાં પ્રકાશિત થયેલા પુસ્તકો પર સમીક્ષા વ્યાખ્યાનો આપવામાં આવ્યા હતા. આ સાથે, વાર્તા-કવિતાની પરંપરા પર આયોજિત બીજી બેઠકમાં, મણિલાલ એચ. પટેલ ('હિમાખ્યાન' હરીશ મીનાશ્રુ), સચિન કેતકર (ભાનુ સુથારની 'નદી ચાલીસા') અને નરેશ શુક્લ ('સ્વર્ણમૃગ' રાજેશ પંડ્યા) પર પ્રવચનો આપવામાં આવ્યા હતા. સંમેલનના બીજા દિવસે, સહદેવ લુહારે 'લોકસાહિત્ય અને નૃવંશશાસ્ત્ર', હેમંત દવેએ 'લોકસાહિત્ય અને ઇતિહાસ' અને ભરત પંડ્યાએ 'લોકસાહિત્ય અને મનોવિજ્ઞાન' વિષય પર વ્યાખ્યાન આપ્યું. આ સંમેલનમાં ગુજરાતમાંથી ૯૮ ગુજરાતી વિષયના અધ્યાપકો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. આ કાર્યક્રમનું સંચાલન ગુજરાતી વિભાગના અધ્યક્ષ પ્રો. અજય સિંહ ચૌહાણ અને પ્રો. રાજેશ મકવાણા દ્વારા કરવામાં આવ્યું. ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાતીનાં અધ્યાપક સંઘ દ્વારા શૈક્ષણિક અને સાહિત્યિક મૂલ્યોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે દર વર્ષે વિવિધ પ્રકારના કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવે છે.

Vol. 68 No. 114 | **Friday, February 14, 2025** | 32 Pages | ₹5 & for Pune ₹6 only

QUALITY & VALUE

Reg No MCS/048/2021-23, RNI No. 1541/1957 M ... office Mumbai PIN 400001

THE FREE PRESS JOURNAL

Leader in E-paper circulation www.freepressjournal.in • EDITIONS • MUMBAI • INDORE • PUNE • BHOPAL • NASHIK • KONKAN • E-paper • Member: Audit Bureau of Circulation (Jan to June 2024)

'Biochemistry & Nanotechnology' meet held

FPJ NEWS SERVICE

VADODARA

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

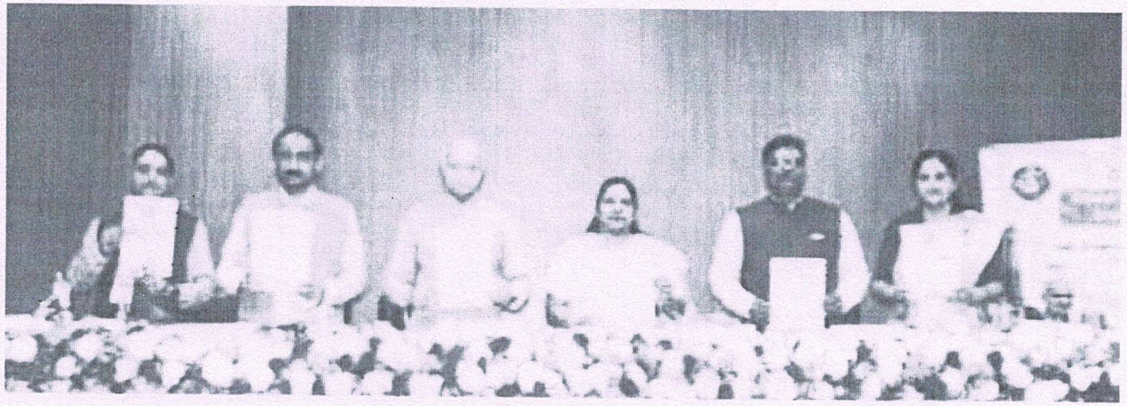

A one-day national symposium was organized by the School of Nano Sciences at Central University of Gujarat. The seminar at the university campus in Kundhela, Vadodara, focused on the topic "Biochemistry and Nanotechnology for Environment, Health, and Agriculture." The Vice Chancellor of the university, Prof. Rama Shanker Dubey, chaired the event and emphasized the transformative role of biochemistry and nanotechnology in solving global challenges. He highlighted the importance of working in the fields of environment, health, and agriculture.

Prof. Pallavi Sharma, the Dean of the School of Nano Sciences and the convener of the symposium, presented the welcome address. During the inaugural session, the Chief Guest, Prof. Kavita Shah, Vice Chancellor of Siddharth University, Kapilvastu, discussed the contribution of nanotechnology towards a clean and sustainable future.

Prof. Surya Pratap Singh, former Head of the Biochemistry Department at Banaras Hindu University (BHU), shared insights on the use of traditional herbs and nanoparticles, stating that nanoparticles are helpful in neuroprotection and the treatment of Parkinson's disease. The second speaker, Prof. S. Shrikrishna, Head of the Biochemistry Department at BHU, elaborated on the use of transgenic Drosophila models in disease modeling and the identification of nano-level therapeutic targets.

In the second session of the symposium, Prof. Anjana Pandey from Motilal Nehru National Institute of Technology discussed the utility of nanobiotechnology in the health sector. A total of 9 sessions were conducted during the seminar. More than 140 participants attended the concluding session, and certificates were distributed to all participants.

The organizing committee of the symposium included Dr. Deepak Verma, Dr. Charulata Dubey, Dr. Hitesh Kulhari, and Dr. Manu Sharma from the School. At the end of the event, Dr. Dheeraj Singh, the organizing secretary of the symposium, thanked all the participants.

संस्थापक: स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 45 | अंक : 285 | पेज 12 | मूल्य : 2.50 रु.

समाचार जगत

विश्वास आपका... साथ हमारा...

www.samacharjagat.com

सोमवार

जयपुर, 17 फरवरी 2025, फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2081

ईडन गार्डन्स पर केकेआर-आरसीबी....

@ पृष्ठ 8

सीयूजी में गुजराती अध्यापक संघ का 74वां अधिवेशन सम्पन्न

वडोदरा, समाचार जगत ब्यूरो. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में रविवार को दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। गुजराती अध्यापक संघ के 74वें अधिवेशन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। उल्लेखनीय है कि गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय और झवेरचन्द मेघाणी लोक साहित्य केन्द्र, राजकोट के संयुक्त तत्वावधान में आोजित इस अधिवेशन में गुजरात राज्य के अध्यापक संघ के अध्यापकों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की उपस्थिति में अधिवेशन की बैठक सम्पन्न हुई। प्रो. दूबे ने अपने व्याख्यान में एक भारत श्रेष्ठ भारत के बारे में

भी चर्चा करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनईपी 2020 के बारे में कहा कि जब हमारी भाषा समृद्ध हो और साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाए तो गुजराती भाषा को भी इसमें स्थान मिले। ताकि भाषा को बढ़ावा मिल सके। अधिवेशन अध्यापक संघ के अध्यक्ष रमेश महेता की अध्यक्षता में किया गया। अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के दौरान संघ के नए अध्यक्ष के रूप में जे.एम. वढवाडिया ने कार्यभार संभाला।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

પત્રિકા

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला

सीयूजी में गुजराती अध्यापक संघ का 74वां अधिवेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में रविवार को गुजराती अध्यापक संघ का दो दिवसीय 74वां अधिवेशन सपन्न हुआ। सीयूजी और राजकोट के झवेरचन्द मेघाणी लोक साहित्य केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अधिवेशन में गुजरात राज्य के अध्यापक संघ के अध्यापकों ने हिस्सा लिया। सीयूजी के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के बारे में भी चर्चा करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के बारे में कहा कि जब हमारी भाषा समृद्ध हो और साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाए तो गुजराती भाषा को भी इसमें स्थान मिले, ताकि भाषा को बढ़ावा मिल सके। संघ के अध्यक्ष रमेश मेहता ने अध्यक्षता की।

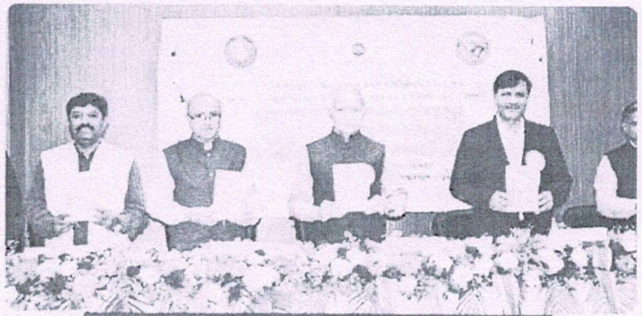

पुस्तकों पर व्याख्यान

उदघाटन समारोह के दौरान संघ के नए अध्यक्ष के रूप में जे.एम. चंदवाडिया ने कार्यभार सभाला। इस अवसर पर शिक्षकों की ओर से हाल ही में प्रकाशित पुस्तकों पर समीक्षात्मक व्याख्यान दिए गए। इसके साथ ही कथा-काव्य की परपरा पर आयोजित दूसरी बैठक में मणिलाल एच. पटेल ने ('हिमाख्यान'-हरिश मिनाश्रु), सचिन केतकर ने (बाबू सुथार की 'नदीचालीसा') और नरेश शुक्ल ने ('सुवर्णमृग'-राजेश पंड्या) पर व्याख्यान दिए गए। अधिवेशन के दूसरे दिन सहदेव लुहार ने 'लोकसाहित्य और नृवंशशास्त्र', हेमंत दवे ने 'लोकसाहित्य और इतिहास', और भरत पंड्या ने 'लोकसाहित्य और मानसशास्त्र' पर व्याख्यान दिए। अधिवेशन में गुजराती विषय के 98 शिक्षक उपस्थित रहें। प्रो. अजयसिंह चौहान और प्रो. राजेश मकवाणा ने संचालन किया।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

17 Feb 2025 10:22 HRS IST

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગુજરાતી શિક્ષક સંઘનું 74મું અધિવેશન CUGમાં સંપન્ન થયું

16 Feb 2025 18:14:32

ગાંધીનગર, 16 ફેબ્રુઆરી (હિ.સ.) બે દિવસીય સંમેલન રવિવારે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુંડાસણ ખાતેના કેમ્પસમાં પૂર્ણ થયું. ગુજરાતી શિક્ષક સંઘનું 74મું અધિવેશન યુનિવર્સિટી કેમ્પસમાં યોજાયું હતું. ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી અને [illegible] લોક સાહિત્ય કેન્દ્ર, રાજકોટના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત આ સંમેલનમાં ગુજરાત રાજ્ય શિક્ષક સંઘના શિક્ષકોએ ભાગ લીધો હતો. યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેની ઉપસ્થિતિમાં સંમેલનની ઉદ્ઘાટન બેઠકનું સમાપન થયું. પ્રો. રમાશંકર દુબેએ તેમના વ્યાખ્યાનમાં એક ભારત શ્રેષ્ઠ ભારત વિશે પણ ચર્ચા કરી અને સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલની ભૂમિકા પર પ્રકાશ પાડ્યો. તેમણે NEP-2020 વિશે કહ્યું કે જ્યારે આપણી ભાષા સમૃદ્ધ થાય છે ત્યારે સાહિત્યનો અન્ય ભાષાઓમાં અનુવાદ થાય છે. ત્યારે ગુજરાતી ભાષાને પણ તેમાં સ્થાન મળવું જોઈએ જેથી ભાષાનો પ્રચાર થઈ શકે. આ સંમેલનના અધ્યક્ષ ગુજરાતી [illegible] પ્રમુખ [illegible] હતા. સંમેલનના ઉદ્ઘાટન સમારોહ દરમિયાન પ્રો. જે.એમ. ચંદ્રવાડિયાને એસોસિએશનના [illegible] પ્રમુખ તરીકે જાહેર કરવામાં આવ્યા. આ પ્રસંગે, નવ નિયુક્ત અધ્યાપકો દ્વારા તાજેતરમાં પ્રકાશિત થયેલા પુસ્તકો પર સમીક્ષા વ્યાખ્યાનો આપવામાં આવ્યા હતા. આ સાથે, [illegible] કવિતાની પરંપરા [illegible] બીજી બેઠકમાં મણિલાલ એચ. પટેલ (હિમાલયના [illegible] હરીશ મીનાશ્રુ) સચિન કેતકર (ભાવ, સુથારનો [illegible]) અને [illegible] (સ્વર્ણિમ-રાજેશ પંડ્યા) પર પ્રવચનો આપવામાં આવ્યા. [illegible] ત્રીજા દિવસે [illegible] લોકસાહિત્ય અને [illegible] હેમંત દવેએ લોકસાહિત્ય અને [illegible] પંડ્યાએ લોકસાહિત્ય અને મનોવિજ્ઞાન વિષય પર વ્યાખ્યાન આપ્યું. આ સંમેલનમાં ગુજરાતના 98 ગુજરાતી વિષયના અધ્યાપકો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. આ કાર્યક્રમનું સંચાલન ગુજરાતી વિભાગના અધ્યક્ષ પ્રો. સંજય [illegible] અને પ્રો. રાજેશ મકવાણા દ્વારા કરવામાં આવ્યું. ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાતી અધ્યાપક સંઘ દ્વારા શૈક્ષણિક અને સાહિત્યિક મૂલ્યોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે દર વર્ષે વિવિધ પ્રકારના કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવે છે.

હિન્દુસ્થાન સમાચાર / અભિષેક [illegible]

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

ચેકિંગના પગલે ભૂ માફિયાઓ નવા નવા પેંતરા અજમાવી રહ્યા છે, પરંતુ કલેકટર મેહુલ કે. દવેની આગેવાનીમાં તંત્ર કડક ચેકિંગ થકી તેમના દરેક પડકારને પહોંચી વળવા સજ્જ

ગાંધીનગર સંવાદદાતા । વિજયવીર યાદવ

ગાંધીનગર જિલ્લામાં પાછલા ઘણા સમયથી ખનીજ ચોરી અટકાવવાના પ્રયાસોના ભાગરૂપે કલેકટર ગાંધીનગર તથા ભૂસ્તર તંત્રની ટીમ દ્વારા સરાહનીય કામગીરી કરવામાં આવી રહી છે. રાત દિવસ કડકમાં કડક ચેકિંગ દ્વારા ખનીજ માફિયાઓને તંત્રની મજબૂત ટીમ માત આપી રહી છે, આ ચેકિંગના પગલે ભૂ માફિયાઓ નવા નવા રસ્તાઓ શોધી રહ્યા ,છે પરંતુ તંત્ર તેમના દરેક પડકારને પહોંચી વળવા સજ્જ છે,ત્યારે કલેકટરએ કડક વલણ દાખવતા જિલ્લામાં ખનીજ ચોરી કરતા ઈસમોમાં ફરી એકવાર ફફડાટ ફેલાયો છે.જેને અનુલક્ષીને કલેક્ટર, ગાંધીનગર મેહુલ દવેના માર્ગદર્શન અને મદદનીશ ભુસ્તરશાસ્ત્રી પ્રણવ સિંહ ની સુચના હેઠળ ગાંધીનગર જીલ્લાના મદદનીશ ભુસ્તરશાસ્ત્રીની કચેરી, ભુસ્તર વિજ્ઞાન અને ખનિજ ખાતું ની ક્ષેત્રીય ટીમ દ્વારા કરવામાં આવતી સતત બિનઅધિકૃત ખનીજ ખનન, વહન અને સંગ્રહ અન્વયેની કામગીરી દરમ્યાન સાદીરેતી તથા સાદી માટી ખનિજના બિનઅધિકૃત વહન/ખનન સબબ તા.૦૭/૦૨/૨૦૨૫ ના રોજ ગાંધીનગર જીલ્લાના સરગાસણ ચોકડી ખાતે ખનિજ ભરી વહન કરતા ત્રણ ડમ્પર વાહનો બિનઅધિકૃત વહન કરતા સીઝ કરવામાં આવેલ છે.જેમાં વાહન નં- GJ-07-VW-6259 તથા GJ-16-AU-7760 ના વાહન માલિક દ્વારા સાદીમાટી ખનીજનું રોયલ્ટી પાસમાં દર્શાવેલ ડેસ્ટીનેશનથી અન્ય જગ્યાએ ડમ્પ કરવા અંગે બિનઅધિકૃત વહન કરતા પકડવામાં આવેલ. જ્યારે વાહન ડમ્પર નં- GJ-01-FT-4142 માં સાદીરેતી ખનીજનું રોયલ્ટી પાસ વગર બિનઅધિકૃત વહન કરતા પકડવામાં આવેલ છે.માઈન્સ સુપરવાઈઝર આર.આર.બુખારી દ્વારા સેક્ટર ૧૦, ગાંધીનગર ખાતેથી સાદીમાટી ખનિજનું પરમીટ/પરવાનગી વગર બિનઅધિકૃત ખનન માટે એક એક્સેવેટર મશીન સીરીયલ નં-Q401D01250 અને પાંચ ડમ્પર પૈકી વાહન નં GJ-18-BT-1451 જપ્ત કરી મશીન દ્વારા કરાયેલા સાદીમાટી ખનિજના બિનઅધિકૃત ખનનવાળા વિસ્તારની માપણી હાથ ધરવામાં આવી છે.એજ રીતે તા.૦૯/૦૨/૨૦૨૫ ના રોજ ગાંધીનગર તાલુકાના ફતેપુરા સાબરમતી નદીપપટ્ટ વિસ્તારમાં સાદીરેતી ખનીજનું બિનઅધિકૃત ખનન/વહન અન્વયે ૦૧ જે. સી.બી. મશીન તથા ૦૧ ડમ્પર વાહન જપ્ત કરવામાં આવેલ છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

विश्वास आपका... साथ हमारा...

समाचार जगत

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात सीयूजी में पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि के लिए

बायोकैमिस्ट्री और नैनोटेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भाषा

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ नैनो साइंसेज की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुंढेला, वडोदरा स्थित विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि के लिए बायोकैमिस्ट्री और नैनोटेक्नोलॉजी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने अध्यक्षता करते हुए बायोकैमिस्ट्री और नैनोटेक्नोलॉजी की वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में कार्य करने पर बल दिया। संगोष्ठी की संयोजक एवं स्कूल ऑफ नैनो साइंसेज की डीन प्रो. पल्लवी शर्मा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। इस दौरान उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने नैनोटेक्नोलॉजी के माध्यम से स्वच्छ और सतत् भविष्य की दिशा में योगदान देने पर चर्चा की। इस दौरान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बायोकैमिस्ट्री विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रताप सिंह ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और नैनोपार्टिकल्स के उपयोग पर जानकारी देते हुए कहा कि नैनोपार्टिकल्स न्यूरोप्रोटेक्शन और पार्किंसंस रोग के उपचार में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के दूसरे वक्ता बीएचयू के ही बायोकैमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो. एस. श्रीकृष्ण ने रोग मॉडलिंग में ट्रांसजेनिक ड्रॉसोफिला मॉडल के उपयोग और नैनो-स्तरीय चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान के बारे में विस्तार से बताया। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की प्रो. अंजना पांडे ने स्वास्थ्य क्षेत्र में नैनोबायोटेक्नोलॉजी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में कुल 9 सत्रों का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में 140 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिये गये। संगोष्ठी की आयोजन समिति में स्कूल के डॉ. दीपक वर्मा, डॉ. चारु लता दुबे, डॉ. हितेश कुलहरी और डॉ. मनु शर्मा शामिल रहें। कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. धीरज सिंह ने सभी आंगतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

સુવિચાર
મહાન કાર્ય શક્તિથી નહીં પણ ધીરજથી પૂર્ણ થાય છે.

સાચી વાત બેધડક
દિવ્ય ભાસ્કર

કુલ પાનાં : 28 (કળશ)
કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 22, અંક 259, મહાનગર

કળશ
આજની પૂર્તિ

divyabhaskar.com | અમદાવાદ, બુધવાર, 12 ફેબ્રુઆરી, 2025 | ગુજરાત | મહા સુદ પૂનમ, વિક્રમ સંવત 2081 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

CUGમાં નેનો સાયન્સ અને નેનોટેક્નોલોજી પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ: 140થી વધુ સહભાગીઓની હાજરીમાં પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ ક્ષેત્રે નવી તકનીકની ચર્ચા થઈ

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

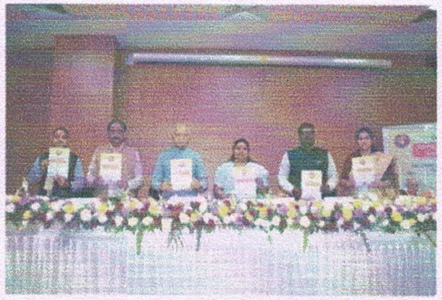

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે "પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ માટે બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજી" વિષય પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું

(જી. એન. એસ) તા. 12

વડોદરા,

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતનાં સ્કૂલ ઓફ નેનો સાયન્સ દ્વારા એક વડોદરાના કુંઢેલા ખાતે યુનિવર્સિટી કેમ્પસમાં આયોજિત "પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ માટે બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજી" વિષય પર રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં, યુનિવર્સિટીના કુલપતિ સમારંભના અધ્યક્ષ પ્રો.રમાશંકર દુબેએ વૈશ્વિક પડકારોનો સામનો કરવામાં બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજીની પરિવર્તનશીલ ભૂમિકા પર ભાર મૂક્યો.

તેમણે પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ ક્ષેત્રોમાં કામ કરવા પર ભાર મૂક્યો. પરિસંવાદના સંયોજક અને સ્કૂલ ઓફ નેનો સાયન્સના ડીન, પ્રો. પલ્લવી શર્માએ સ્વાગત પ્રવચન કર્યું હતું. આ દરમિયાન, ઉદ્ઘાટન સત્રના મુખ્ય મહેમાન સિધ્ધાર્થ યુનિવર્સિટી, કપિલવસ્તુના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. કવિતા શાહે નેનો ટેકનોલોજી દ્વારા સ્વચ્છ અને ટકાઉ ભવિષ્ય તરફ યોગદાન આપવાની ચર્ચા કરી. આ દરમિયાન, બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીના બાયોકેમિસ્ટ્રી વિભાગના ભૂતપૂર્વ વડા પ્રો. પરંપરાગત ઓષધિઓ અને નેનોપાર્ટિકલ્સનો ઉપયોગ અંગે માહિતી આપતાં સૂર્ય પ્રતાપ સિંહે જણાવ્યું હતું કે નેનોપાર્ટિકલ્સ ન્યુરોપ્રોટેક્શન અને પાર્કિન્સન રોગની સારવારમાં મદદરૂપ થાય છે. કાર્યક્રમના બીજા વક્તા BHU ના બાયોકેમિસ્ટ્રી વિભાગના વડા પ્રો. એસ. શ્રીકૃષ્ણએ રોગ મોડેલિંગ અને નેનો-લેવલ થેરાપ્યુટિક લક્ષ્યોની ઓળખમાં ટ્રાન્સજેનિક ડ્રોસોફિલા મોડેલ્સના ઉપયોગ પર વિગતવાર ચર્ચા કરી હતી. સેમિનારના બીજા સત્રમાં, મોતીલાલ નહેરુ નેશનલ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ટેકનોલોજીના પ્રો. અંજના પાંડેએ આરોગ્ય ક્ષેત્રમાં નેનોબાયોટેકનોલોજીની ઉપયોગિતા પર પ્રકાશ પાડ્યો. સેમિનારમાં કુલ 9 સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. પરિસંવાદના સમાપન BHU ના બાયોકેમિસ્ટ્રી વિભાગના વડા પ્રો. એસ. શ્રીકૃષ્ણએ રોગ મોડેલિંગ અને નેનો-લેવલ થેરાપ્યુટિક લક્ષ્યોની ઓળખમાં ટ્રાન્સજેનિક ડ્રોસોફિલા મોડેલ્સના ઉપયોગ પર વિગતવાર ચર્ચા કરી હતી. સેમિનારના બીજા સત્રમાં, મોતીલાલ નહેરુ નેશનલ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ટેકનોલોજીના પ્રો. અંજના પાંડેએ આરોગ્ય ક્ષેત્રમાં નેનોબાયોટેકનોલોજીની ઉપયોગિતા પર પ્રકાશ પાડ્યો. સેમિનારમાં કુલ 9 સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. પરિસંવાદના સમાપન સત્રમાં ૧૪૦ થી વધુ સહભાગીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. બધા સહભાગીઓને પ્રમાણપત્રો આપવામાં આવ્યા હતા. પરિસંવાદની આયોજન સમિતિમાં ડૉ. દીપક વર્મા, ડૉ. ચારુલતા દુબે, ડૉ. હિતેશ ફુલ્હારી અને ડૉ. મનુ શર્માનો સમાવેશ થતો હતો. કાર્યક્રમના અંતે, સેમિનારના આયોજન સચિવ ડૉ. ધીરજ સિંહે તમામ મહેમાનોનો આભાર માન્યો હતો.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्या
Central University of Guj

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
13 Feb 2025, 11:31 HRS IST

CUG ખાતે પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ માટે બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજી વિષય પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

12 Feb 2025 16:46:32

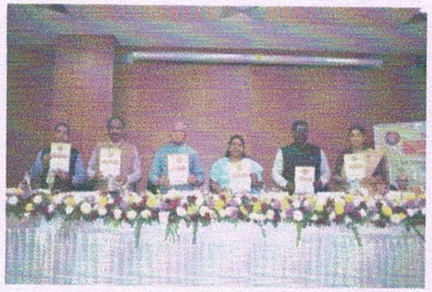

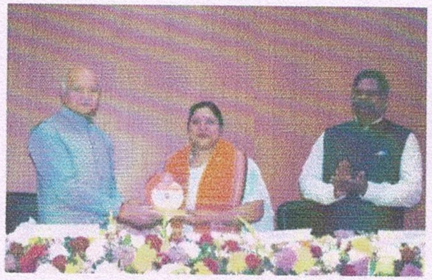

ગાંધીનગર, 12 ફેબ્રુઆરી (હિ.સ.) સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના સ્કૂલ ઓફ નેનો સાયન્સ દ્વારા એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. મંગળવારે વડોદરાના કુંઢેલા ખાતે યુનિવર્સિટી કેમ્પસમાં આયોજિત પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ માટે બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજી વિષય પર રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ સમારંભના અધ્યક્ષ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ વૈશ્વિક પડકારોનો સામનો કરવામાં બાયોકેમિસ્ટ્રી અને નેનોટેકનોલોજીની પરિવર્તનશીલ ભૂમિકા પર ભાર મૂક્યો. તેમણે પર્યાવરણ, આરોગ્ય અને કૃષિ ક્ષેત્રોમાં કામ કરવા પર ભાર મૂક્યો. પરિસંવાદના સંયોજક અને સ્કૂલ ઓફ નેનો સાયન્સના ડીન પ્રો. પલ્લવી શર્માએ સ્વાગત પ્રવચન કર્યું હતું. આ દરમિયાન, ઉદ્ઘાટન સત્રના મુખ્ય મહેમાન સિદ્ધાર્થ યુનિવર્સિટી કપિલવસ્તુના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. કવિતા શાહે નેનો ટેકનોલોજી દ્વારા સ્વચ્છ અને ટકાઉ ભવિષ્ય તરફ યોગદાન આપવાની ચર્ચા કરી. આ દરમિયાન, બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીના બાયોકેમિસ્ટ્રી વિભાગના ભૂતપૂર્વ વડા પ્રો. પરંપરાગત ઔષધિઓ અને નેનોપાર્ટિકલ્સનો ઉપયોગ અંગે માહિતી આપતા સૂર્ય પ્રતાપ સિંહે જણાવ્યું હતું કે નેનોપાર્ટિકલ્સ ન્યુરોપ્રોટેક્શન અને પાર્કિન્સન રોગની સારવારમાં મદદરૂપ થાય છે. કાર્યક્રમના બીજા વક્તા BHU ના બાયોકેમિસ્ટ્રી વિભાગના વડા પ્રો. એસ. શ્રીકૃષ્ણએ રોગ મોડેલિંગ અને નોવેલ થેરાપ્યુટિક લક્ષ્યોની ઓળખમાં ટ્રાન્સજેનિક ડ્રોસોફિલા મોડેલના ઉપયોગ પર વિસ્તૃત ચર્ચા કરી હતી. સેમિનારના બીજા સત્રમાં, મોતીલાલ નહેરુ નેશનલ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ટેકનોલોજીના પ્રો. અંજના પાંડેએ આરોગ્ય ક્ષેત્રમાં નેનોબાયોટેકનોલોજીની ઉપયોગિતા પર પ્રકાશ પાડ્યો. સેમિનારમાં કુલ 9 સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. પરિસંવાદના સમાપન સત્રમાં 140 થી વધુ સહભાગીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. બધા સહભાગીઓને પ્રમાણપત્રો આપવામાં આવ્યા હતા. પરિસંવાદની આયોજન સમિતિમાં ડૉ. દીપક વર્મા, ડૉ. ચારુલતા દુબે, ડૉ. હિતેશ કુલ્હારી અને ડૉ. મનુ શર્માનો સમાવેશ થતો હતો. કાર્યક્રમના અંતે, સેમિનારના આયોજન સચિવ ડૉ. પોરજ સિંહે તમામ મહેમાનોનો આભાર માન્યો.

હિન્દુસ્થાન સમાચાર / અભિષેક બારડ

pro@cug.ac.i
जनसंपर्क अधि
Public Relat
गुजरात केन्द्री
Central U

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्या
Central University of G

सांध्य ज्योति दर्पण

www.sandhyajyotidarpan.com

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के तीसरे बैच का शुभारंभ

वडोदरा, 11 फरवरी (एजेंसी)। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के वडोदरा स्थित, कुंढेला स्थायी परिसर में किया गया। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. मनीष ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्टता केन्द्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी। केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रो. राजेश मकवाना ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए गत दो वर्षों में केन्द्र की प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि केन्द्र अक्टूबर 2022 से विश्वविद्यालय में संचालित है। केन्द्र में अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध-घुमन्तु समुदाय के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के साथ ही जीपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता शाह ने समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र के सभी अभ्यर्थियों को डॉ. अम्बेडकर की भांति आगे बढ़ना होगा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिलने के अधिकार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक यंत्र है जो स्वयं को परिष्कृत करने के लिए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक कुशल दार्शनिक और राजनेता थे। आधुनिक कालखंड में ऐसा कोई दार्शनिक व राजनेता नहीं है, जिसने सर्वाधिक पुस्तकों का अध्ययन कर भारत को समझा। उन्होंने समाज की स्थिति व पीड़ा को देखकर संकल्प लिया और उसके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मबल होना चाहिए। इस दौरान केन्द्र की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही केन्द्र के शिक्षक अभिषेक वडोदरिया समेत सफलता प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर और महामना पं. मदन मोहन मालवीय का वडोदरा से पुराने रिश्ता होने के बारे में बताया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
...रात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
...entral University of Gujarat

विश्वास आपका... साथ हमारा...
समाचार जगत

गुजरात

उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के वडोदरा के कुंढेला स्थायी परिसर में हुआ

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के तीसरे बैच का शुभारंभ

समाचार जगत ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (DACE) के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के वडोदरा स्थित, कुंढेला स्थायी परिसर में किया गया। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. मनीष ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्टता केन्द्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी। केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रो. गजेश मकवाना ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए गत दो वर्षों में केन्द्र की प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि केन्द्र अक्टूबर 2022 से विश्वविद्यालय में संचालित है। केन्द्र में अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के साथ विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदाय के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के साथ ही जीपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता शाह ने समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र के सभी अभ्यर्थियों को डॉ. अम्बेडकर की भांति आगे बढना होगा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिलने के अधिकार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक यंत्र है जो स्वयं को परिष्कृत करने के लिए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पांडेय ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक कुशल दार्शनिक और राजनेता थे। आधुनिक कालखंड में ऐसा कोई दार्शनिक व राजनेता नहीं है, जिसने सर्वाधिक पुस्तकों का अध्ययन कर भारत को समझा। उन्होंने समाज की स्थिति व पीड़ा को देखकर संकल्प लिया और उसके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मबल होना चाहिए। इस दौरान केन्द्र की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही केन्द्र के शिक्षक अभिषेक वडोदरिया समेत सफलता प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

डॉ. अम्बेडकर व महामना मालवीय का वडोदरा से पुराना रिश्ता: अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर और महामना पं. मदन मोहन मालवीय का वडोदरा से पुराने रिश्ता होने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी निर्माण के लिए डॉ. अम्बेडकर ने ही महामना को आर्थिक सहायता के लिए बडौदा महाराजा से मिलने की बात कही, जिसके बाद पुस्तकालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. अम्बेडकर महान राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने हमेशा कहा कि शील के बिना शिक्षा अधुरी है। शिक्षा के द्वारा ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अम्बेडकर के बताये रास्ते पर आगे बढने की बात कही। इस अवसर पर केन्द्र के असिस्टेंट कॉर्डिनेटर डॉ. पुलकेशी जानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

સુવિચાર

દિવ્ય ભાસ્કર મધુરિમા

આજની પૂર્તિ

કુલ પાના : 12 (મધુરિમા)

કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 22, અંક 258, મહાનગર

divyabhaskar.com | અમદાવાદ, મંગળવાર, 11 ફેબ્રુઆરી, 2025 | ગુજરાત | મહા સુદ-14, વિક્રમ સંવત 2081 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

UPSC-GPSC પરીક્ષાની તૈયારી માટે SC-OBC સહિત વિચરતી જાતિના વિદ્યાર્થીઓને તાલીમ અપાશે

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

RNI No. GUJGUJ/2011/41611

TG

તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY- AHMEDABAD)

દૈનિક - અમદાવાદ

માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ | વર્ષ- 14 | અંક- 205 | તા. 11-02-2025 મંગળવાર | કિંમતઃ ₹ 1/- | પાના : 04 | E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં ડૉ. આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની ત્રીજી બેચનો પ્રારંભ

વડોદરાઃ ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં ભારત સરકારના સામાજિક ન્યાય અને અધિકારિતા મંત્રાલય દ્વારા સ્થાપિત ડૉ. આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સ (**DACE**)ના ત્રીજી બેચનું ઉદ્ઘાટન સોમવારે કરવામાં આવ્યું હતું. ઉદ્ઘાટન સમારોહ યુનિવર્સિટીના વડોદરા સ્થિત કુંઢેલા સ્થાયી પરિસરમાં યોજાયો હતો. કાર્યક્રમનું સ્વાગત પ્રવચન રજિસ્ટ્રાર (ઈન્ચાર્જ) પ્રો. મનીષે કર્યું હતું. તેમણે યુનિવર્સિટીના સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની પ્રગતિ વિશે માહિતી આપી હતી. કેન્દ્રના નોડલ અધિકારી પ્રો. રાજેશ મકવાણાએ કાર્યક્રમની ભૂમિકા રજૂ કરતા છેલ્લા બે વર્ષમાં કેન્દ્રની પ્રગતિ વિશે જણાવ્યું હતું. તેમણે જણાવ્યું હતું કે આ કેન્દ્ર ઑક્ટોબર ૨૦૨૨ થી યુનિવર્સિટીમાં કાર્યરત છે. કેન્દ્રમાં અનુસૂચિત જાતિ અને અન્ય પછાત વર્ગની સાથે વિમુક્ત, વિચરતી અને અર્ધ-વિચરતી સમુદાયના વિદ્યાર્થીઓને **UPSC**ની પ્રિલિમિનરી અને મુખ્ય પરીક્ષાની સાથે **GPSC**ની પરીક્ષાઓની તૈયારી કરાવવામાં આવે છે. સિદ્ધાર્થ યુનિવર્સિટી, કપિલવસ્તુના કુલપતિ અને કાર્યક્રમના વિશિષ્ટ અતિથિ પ્રો. કવિતા શાહે સર્વગ્રાહી શિક્ષણની જરૂરિયાત પર ભાર મૂકતા કહ્યું કે કેન્દ્રના તમામ ઉમેદવારોએ ડૉ. આંબેડકરની જેમ આગળ વધવું પડશે. તેમણે દરેક વ્યક્તિને શિક્ષણ મેળવવાના અધિકાર પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણ એક સાધન છે જે સ્વયંને શુદ્ધ કરવા માટે છે. કાર્યક્રમના મુખ્ય અતિથિ અને પ્રખ્યાત અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડૉ. ઓમ પ્રકાશ પાંડેએ કહ્યું કે ડૉ. આંબેડકર એક કુશળ દાર્શનિક અને રાજનેતા હતા. આધુનિક કાળમાં એવા કોઈ દાર્શનિક અને રાજનેતા નથી, જેમણે સૌથી વધુ પુસ્તકોનો અભ્યાસ કરીને ભારતને સમજ્યા હોય. તેમણે સમાજની સ્થિતિ અને પીડા જોઈને સંકલ્પ કર્યો અને તેના ઉત્થાન માટે કાર્ય કર્યું. તેમણે કહ્યું કે સફળતા માટે આત્મવિશ્વાસ હોવો જોઈએ. આ દરમિયાન કેન્દ્રની પ્રગતિ પુસ્તિકાનું વિમોચન કરવામાં આવ્યું હતું. તેમજ કેન્દ્રના શિક્ષક અભિષેક વડાદરિયા સહિત સફળતા પ્રાપ્ત તમામ વિદ્યાર્થીઓને સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. ડૉ. આંબેડકર અને મહામના માલવિયાનું વડોદરા સાથે જૂનો નાતો હતો પોતાના અધ્યક્ષીય ઉદ્બોધનમાં કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ ડૉ. ભીમરાવ આંબેડકર અને મહામના પં. મદન મોહન માલવિયાનું વડોદરા સાથે જૂનો સંબંધ હોવા વિશે જણાવ્યું હતું. તેમણે જણાવ્યું હતું કે બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીમાં લાઈબ્રેરી નિર્માણ માટે ડૉ. આંબેડકરે જ મહામનાને આર્થિક મદદ માટે બરોડા મહારાજને મળવાની વાત કરી હતી, ત્યારબાદ પુસ્તકાલય નિર્માણ માટે આર્થિક સહાય આપવામાં આવી હતી. તેમણે વધુમાં કહ્યું કે ડૉ. આંબેડકર મહાન રાષ્ટ્રવાદી વ્યક્તિત્વના ધરાવતા હતા. તેમણે હંમેશા કહ્યું કે શીલ વગરનું શિક્ષણ અધૂરું છે. શિક્ષણ દ્વારા જ સમાજમાં પરિવર્તન લાવી શકાય છે. તેમણે વિદ્યાર્થીઓને આંબેડકરના બતાવેલા માર્ગ પર આગળ વધવાની વાત કરી હતી. આ પ્રસંગે કેન્દ્રના આસિસ્ટન્ટ કો-ઓર્ડિનેટર ડૉ. પુલકેશી જાનીએ સૌનો આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો. કાર્યક્રમનું સંચાલન ડૉ. પ્રીતિ શર્માએ કર્યુ હતું.

हमारा अहित करने वाले को क्षमा करने में हम सक्षम नहीं हैं किन्तु हितैषियों पर तो दुर्भाव नहीं आना चाहिए-महास्थविर शांति मुनि

जयपुर ▪ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 12 | अंक : 31 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत **व्यापार एवं विकास की आवाज** मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 दैनिक www.businessremedies.com

जयपुर। मंगलवार 11 फरवरी, 2025

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के तीसरे बैच का शुभारंभ

बिजनेस रेमेडीज/वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (DACE) के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के वडोदरा स्थित, कुंढेला स्थायी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का स्वागत संबोधन कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. मनीष ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्टता केन्द्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी। केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रो. राजेश मकवाना ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए गत दो वर्षों में केन्द्र की प्रगति के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि केन्द्र अक्टूबर 2022 से विश्वविद्यालय में संचालित है। केन्द्र में अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ विमुक्त, घुमन्तु और

अर्ध-घुमन्तु समुदाय के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के साथ ही जीपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता शाह ने समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र के सभी अभ्यर्थियों को डॉ. अम्बेडकर की भांति आगे बढ़ना होगा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिलने के अधिकार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक यंत्र है जो स्वयं को परिष्कृत करने के लिए है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पांडेय ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक कुशल दार्शनिक और राजनेता थे। आधुनिक कालखंड में ऐसा कोई दार्शनिक व राजनेता नहीं है, जिसने सर्वाधिक पुस्तकों का अध्ययन कर भारत को समझा। उन्होंने समाज की स्थिति व पीड़ा को देखकर संकल्प लिया और उसके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि

सफलता के लिए आत्मबल होना चाहिए। इस दौरान केन्द्र की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही केन्द्र के शिक्षक अभिषेक वडोदरिया समेत सफलता प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

डॉ. अम्बेडकर व महामना मालवीय का वडोदरा से पुराना रिश्ताः अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर और महामना पं. मदन मोहन मालवीय का वडोदरा से पुराने रिश्ता होने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी निर्माण के लिए डॉ. अम्बेडकर ने ही महामना को आर्थिक सहायता के लिए बड़ौदा महाराजा से मिलने की बात कही, जिसके बाद पुस्तकालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. अम्बेडकर महान राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने हमेशा कहा कि शील के बिना शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के द्वारा ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अम्बेडकर के बताये रास्ते पर आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर केन्द्र के असिस्टेंट कॉर्डिनेटर डॉ. पुलकेशी जानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया।

राजस्थान पत्रिका

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के तीसरे बैच का शुभारंभ

सफलता के लिए आत्मबल होना जरूरी : डॉ. पांडेय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीइ) के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। वडोदरा स्थित, कुंढेला में विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में उद्घाटन समारोह में प्रभारी कुलसचिव प्रो. मनीष ने इस केन्द्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी। केन्द्र के नोडल अधिकार प्रो. राजेश

मकवाना ने बताया कि केन्द्र अक्टूबर 2022 से विश्वविद्यालय में संचालित है।

केन्द्र में अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदाय के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के साथ ही जीपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश पांडेय ने कहा कि डॉ. अंबेडकर एक कुशल दार्शनिक और राजनेता थे।

उन्होंने समाज की स्थिति व पीड़ा को देखकर संकल्प लिया और उसके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मबल होना चाहिए। इस दौरान केन्द्र की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही केन्द्र के शिक्षक अभिषेक वडोदरिया समेत सफलता प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

अंबेडकर व मालवीय का वडोदरा से पुराना रिश्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने बताया कि बनारस हिन्दू विवि में लाइब्रेरी निर्माण के लिए डॉ. अंबेडकर ने ही मालवीय को आर्थिक सहायता के लिए बड़ौदा के पूर्व महाराजा से मिलने की बात कही। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अंबेडकर के बताए रास्ते पर आगे बढ़ने की बात कही। केन्द्र के असिस्टेंट कॉर्डिनेटर डॉ. पुलकेशी जानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. प्रीति शर्मा ने संचालन किया।

प्रत्येक को मिले शिक्षा का अधिकार : प्रो. शाह

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता शाह ने समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र के सभी अभ्यर्थियों को डॉ. अंबेडकर की भांति आगे बढ़ना होगा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिलने के अधिकार पर बल दिया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

WWW.kalwadtimes.com अब दुनिया पढ़ेगी आपणी खबर
आपणी खबर
app kalwadtimes अब दुनिया पढ़ेगी आपणी खबर
आपणी अखबार

कालवाड़ टाइम्स

3 मुख्यमंत्री ने किया सैडल बांध का ...
ईटावा ग्राम को पंचायत तेजा का बास में ... 3

वर्ष: 11 अंक: 334 पृष्ठ: 8
जयपुर, मंगलवार, 11 फरवरी 2025

प्रभात

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के तीसरे बैच का शुभारंभ

कालवाड़ टाइम्स

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार को किया गया। उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के वडोदरा स्थित कुण्डेला स्थायी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का स्वागत संबोधन कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. संतोष ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्टता केन्द्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी। केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रो. राजेश सकवाना ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए गत दो वर्षों में केन्द्र की प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि केन्द्र अक्टूबर 2022 से विश्वविद्यालय में संचालित है। केन्द्र में अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदाय के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के साथ ही

जीपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता शाह ने समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र के सभी अभ्यर्थियों को डॉ. अम्बेडकर की भांति आगे बढ़ना होगा। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिलने के अधिकार पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा एक यंत्र है जो स्वयं को परिष्कृत करने के लिए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक कुशल दार्शनिक और राजनेता थे। आधुनिक कालखण्ड में ऐसा कोई दार्शनिक व राजनेता नहीं है जिसने सर्वाधिक पुस्तकों का अध्ययन कर भारत को समझा। उन्होंने समाज की स्थिति व पीड़ा को देखकर संकल्प लिया और उसके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मसंयम होना चाहिए। इस दौरान केन्द्र की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही केन्द्र के शिक्षक अभिषेक वडोदरिया समेत सफलता प्राप्त सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

डॉ. अम्बेडकर व महामना मालवीय का वडोदरा से पुराना रिश्ता

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर और महामना पं. मदन मोहन मालवीय का वडोदरा से पुराने रिश्ता होने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी निर्माण के लिए डॉ. अम्बेडकर ने ही महामना को आर्थिक सहायता के लिए बड़ौदा महाराजा से मिलने की बात कही, जिसके बाद पुस्तकालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. अम्बेडकर महान राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने हमेशा कहा कि शील के बिना शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के द्वारा ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अम्बेडकर के बताये रास्ते पर आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर केन्द्र के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. पुलकशी जानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया।

THE TIMES OF INDIA

Third Batch Starts Studies At DACE

CITY | Feb 11, 2025, 00:05 IST

SHARE | FOLLOW US

Vadodara: The third batch of students of the Dr Ambedkar Centre of Excellence (DACE), established by the ministry of social justice and empowerment of the Union govt, was inaugurated at the Central University of Gujarat (CUG) campus here on Monday.

The inauguration took place at CUG's permanent campus in Kundhela, Vadodara. The centre has been operating at the university since Oct 2022. It provides coaching for UPSC preliminary and main exams, as well as for the GPSC exams, for students from scheduled castes, other backward classes and nomadic semi-nomadic communities.

Prof Kavita Shah, vice-chancellor of Siddhartha University, Kapilvastu, who was a guest of the programme, emphasized the need for inclusive education. She stressed the right of every individual to receive an education and said education is a tool for self-refinement.

Renowned space scientist Dr Om Prakash Pandey was the chief guest. He said no philosopher or politician in the modern era studied as many books to understand India as Dr Ambedkar. During the event, a progress booklet on the centre was released.

CUG VC Prof Rama Shanker Dubey spoke about the historical connection between Dr Ambedkar and Madan Mohan Malviya with Vadodara. He said for the construction of the library at Banaras Hindu University, Dr Ambedkar asked Malviya to meet the Maharaja of Baroda for financial assistance, which was later provided.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

सीयूजी में एक दिवसीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

वडोदरा : तमिल साहित्य में महर्षि अगत्स्य के योगदान पर चर्चा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से 'काशी तमिल संगमम 3.0' के अंतर्गत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में 'औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य का योगदान' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे के निर्देशन में किया गया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

तमिल भाषा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजू नायक ने तमिल भाषा की उत्पत्ति से लेकर महर्षि अगस्त्य के औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में अभूतपूर्व योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने महर्षि अगस्त्य और भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की।

उन्होंने कार्तिकेय के उपनाम मुरुगन का विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान कार्तिकेय और महर्षि अगस्त्य उत्तर भारत की अपेक्षा दक्षिण भारत में अधिक पूजे जाते हैं। महर्षि अगस्त्य का तमिल क्षेत्र में मंदिर और प्रतिमाएं विद्यमान हैं।

उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने महर्षि अगस्त्य को तमिल भाषा और व्याकरण के निर्माण के लिए आशीर्वाद दिया था। उसके बाद ही महर्षि अगस्त्य के माध्यम से तमिल भाषा और व्याकरण का उद्भव, विकास और संस्कार हुआ। इस दौरान उन्होंने तमिल भाषा में रचित 'कंब रामायण' के राम की चर्चा तमिल भाषा और साहित्य के दृष्टिकोण से की।

तमिल भाषा की महत्ता बताई

कार्यक्रम के दूसरे वक्ता सह विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. जयेंद्र अमीन ने तमिल भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भारत के युवा वर्ग को इससे सीखना चाहिए। वहीं प्रोक्टर प्रो. राजेश मकवाना ने सौराष्ट्र तमिल संगमम की अवधारणा के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के सह संयोजक स्वामी कुंदन किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए संगम शब्द के खास महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जैसे गंगा का यमुना के साथ संगम होता है वैसे ही काशी तमिल संगमम में संस्कृत का तमिल से, उत्तर का दक्षिण से और काशी का तेन्काशी से होता है। कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विपुल कुमार थे।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा

सन् : 1992

गुजरात वैभव

अहमदाबाद** मंगलवार, 4 फरवरी, 2025 वर्ष 33, अंक 80, पृष्ठ-12 मूल्य-रु 3/-

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य के योगदान पर हुई चर्चा

सीयूजी में एकदिवसीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखें विचार

वडोदरा। भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय की ओर से 'काशी तमिल संगमम् 3.0' के अंतर्गत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य का योगदान' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे के कुशल संरक्षण में किया गया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। तमिल भाषा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजुभाई गोपालभाई नायक ने अपने वक्तव्य में तमिल भाषा की उत्पत्ति से लेकर महर्षि अगस्त्य के औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में अभूतपूर्व योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने महर्षि अगस्त्य और भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कार्तिकेय के उपनाम मुरगन की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान कार्तिकेय और महर्षि अगस्त्य उत्तर भारत की अपेक्षा दक्षिण भारत में अधिक पूजे जाते हैं। महर्षि अगस्त्य का तमिल क्षेत्र में मंदिर और प्रतिमाएं विद्यमान हैं। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने महर्षि अगस्त्य को तमिल भाषा और व्याकरण के निर्माण के लिए आशीर्वाद दिया था। उसके बाद ही महर्षि अगस्त्य के माध्यम से तमिल भाषा और व्याकरण का उद्भव, विकास और संस्कार हुआ। उन्होंने तमिल भाषा में रचित 'कंब रामायण' के राम की चर्चा तमिल भाषा और साहित्य के दृष्टिकोण से की।

तमिल भाषा की महत्ता पर दिया जोर - कार्यक्रम के दूसरे वक्ता एवं विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रो. जयेंद्र अमीन ने तमिल भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भारत के युवा वर्ग को इससे सीखने पर जोर दिया। वहीं प्रोक्टर प्रो. राजेश मकवाना ने 'सौराष्ट्र तमिल संगम' की अवधारणा के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सह-संयोजक स्वामी कुंदन किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए 'संगम' शब्द के खास महत्त्व के बारे में बताया, जैसे गंगा का यमुना के साथ संगम होता है वैसे ही 'काशी तमिल संगमम में संस्कृत का तमिल से, उत्तर का दक्षिण से और कशी का तेन्काशी से होता है। कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विपुल कुमार थे।

विश्वास आपका... साथ हमारा...

समाचार जगत

सीयूजी में एकदिवसीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

औषध विज्ञान, तमिल साहित्य व व्याकरण में महर्षि अगस्त्य के योगदान पर चर्चा

समाचार जगत ब्यूरो

वडोदरा. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय की ओर से "काशी तमिल संगमम् 3.0" के अंतर्गत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में "औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य का योगदान" विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे के कुशल संरक्षण में किया गया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। तमिल भाषा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजूभाई गोपालभाई नायक ने अपने वक्तव्य में तमिल भाषा की उत्पत्ति से लेकर महर्षि अगस्त्य के औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में अभूतपूर्व योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने महर्षि अगस्त्य और भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कार्तिकेय के उपनाम मुरुगन की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान कार्तिकेय और महर्षि अगस्त्य उत्तर भारत की अपेक्षा दक्षिण भारत में अधिक पूजे जाते हैं। महर्षि अगस्त्य का तमिल क्षेत्र में मंदिर और प्रतिमाएं विद्यमान हैं। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने महर्षि अगस्त्य को तमिल भाषा और व्याकरण के निर्माण के लिए आशीर्वाद दिया था।

उसके बाद ही महर्षि अगस्त्य के माध्यम से तमिल भाषा और व्याकरण का उद्भव, विकास और संस्कार हुआ। उन्होंने तमिल भाषा में रचित "कंब रामायण" के राम की चर्चा तमिल भाषा और साहित्य के दृष्टिकोण से की।

तमिल भाषा की महत्ता पर दिया जोर : कार्यक्रम के दूसरे वक्ता एवं विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. जयेंद्र अमीन ने तमिल भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भारत के युवा वर्ग को इससे सीखने पर जोर दिया। वहीं प्रोक्टर प्रो. गजेश मकवाना ने "सौराष्ट्र तमिल संगमम" की अवधारणा के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सह-संयोजक स्वामी कुंदन किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए "संगम" शब्द के खास महत्व के बारे में बताया, जैसे गंगा का यमुना के साथ संगम होता है वैसे ही "काशी तमिल संगमम" में संस्कृत का तमिल से, उत्तर का दक्षिण से और काशी का तेन्काशी से होता है। कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विपुल कुमार थे।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य के योगदान पर हुई चर्चा

■ संजीवनी टुडे

वडोदरा। भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय की ओर से ल्लकाशी तमिल संगमम 3.0 के अंतर्गत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में ल्लऔषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में महर्षि अगस्त्य का योगदान विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे के कुशल संरक्षण में किया गया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। तमिल भाषा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजुभाई गोपालभाई नायक ने अपने वक्तव्य में तमिल भाषा की उत्पत्ति से लेकर महर्षि अगस्त्य के औषध विज्ञान, तमिल साहित्य और व्याकरण में अभूतपूर्व योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने महर्षि अगस्त्य और भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कार्तिकेय के उपनाम मुरगन की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान कार्तिकेय और महर्षि अगस्त्य उत्तर भारत की अपेक्षा दक्षिण भारत में अधिक पूजे जाते हैं। महर्षि अगस्त्य का तमिल क्षेत्र में मंदिर और प्रतिमाएं विद्यामन हैं। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने महर्षि अगस्त्य को तमिल भाषा और व्याकरण के निर्माण के लिए आशीर्वाद दिया था। उसके बाद ही महर्षि अगस्त्य के माध्यम से तमिल भाषा और व्याकरण का उदभव, विकास और संस्कार हुआ। उन्होंने तमिल भाषा में रचित ल्लकंब रामायणङ्क के राम की चर्चा तमिल भाषा और साहित्य के दृष्टिकोण से की।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा

गुजरात वैभव

सन् : 1992

अहमदाबाद** शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025 वर्ष 33, अंक 76, पृष्ठ-12

मूल्य-रु 3/-

Registration No-54924/92

gujaratvaibhav.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव' विषय पर व्याख्यान

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से 'सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्रंखला के प्रथम चरण में मुख्य वक्ता ए.एम. तिवारी, पूर्व सचिव, शिक्षा, गुजरात सरकार रहे। उन्होंने 'सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव' विषय पर चर्चा की। तिवारी ने अपने प्रशासनिक अनुभवों से सामाजिक प्रबंधन की भूमिका पर अमूल्य दृष्टिकोण साझा किए और बताया कि किस प्रकार यह नीतियों को आकार देने और विकास को प्रेरित करने में सहायक है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. तापस कुमार दलपति ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। सामाजिक प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. सोनी कुंजप्पन ने व्याख्यान के दौरान भारत के विकास दृष्टिकोणों पर चर्चा की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने अध्यक्षीय भाषण में गजन समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए भारत की शैक्षिक नीतियों को आकार देने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभाग की डॉ. लिटी डेनिस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

2 | मूल्य ₹5.00 | अहमदाबाद, शुक्रवार 31 जनवरी, 2025 | माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया, संवत 2081 गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिल...

पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव' पर व्याख्यान

समाज के उत्थान और विभिन्न समुदायों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता : तिवारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से "सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान श्रृंखला के प्रथम चरण में गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव ए.एम. तिवारी मुख्य वक्ता थे। उन्होंने समाज के उत्थान और विभिन्न समुदायों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही बताया कि सामाजिक क्षेत्र का बहुआयामी स्वरूप इसे एक समग्र अध्ययन क्षेत्र बनाता है। उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभवों से सामाजिक प्रबंधन की भूमिका पर अमूल्य दृष्टिकोण साझा किए और बताया कि किस प्रकार यह नीतियों को आकार देने और विकास को प्रेरित करने में सहायक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

प्रभावी नीतियों को आकार देने में शोध की महत्वपूर्ण भूमिका

सामाजिक विज्ञान संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. तापस कुमार दलपति ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में प्रभावी नीतियों को आकार देने में शोध की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। सामाजिक प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. सोनी कुजयन ने भारत के विकास दृष्टिकोणों पर चर्चा की। उन्होंने एक सशक्त नागरिकता, समृद्ध और टिकाऊ अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार, अच्छे शासन और भारत की वैश्विक भूमिका के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने अच्छे शासन के महत्व के बारे में बताते हुए, सामाजिक समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने अध्यक्षीय भाषण में राजन समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए भारत की शैक्षिक नीतियों को आकार देने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने यूपी, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में शिक्षा के सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी निकायों के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है ताकि उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान की जा सके। इस दौरान विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभाग की डॉ. लिटी डेनिस ने धन्यवाद दिया।

नाम परिवर्तन

• I, NIRUMATI DOB 1960 W/o JC-236910H Nb Sub KANUBHAI CHATURBHAI BHATTIYA Residing at 31 Krushnakunj Society, Naroda, Ahmedabad–382330 have changed my name from

• मैं शशिकला जितेंद्र कुमार ... नंबर -15717135W, गांव मोलूखेड़ी, जिला भिंड राज्य मध्य प्रदेश का निवासी हूं मेरे अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपने पिता का नाम और जन्मतिथि भूलवश पिता कैलाश नारायण और जन्मतिथि 18-9-1966 है पिता का सही नाम कैलाशचंद और जन्मतिथि 1-1-1967 है।

• I, HAUSABAI ANNASAHEB KANGANE M/O Army No 15684028M Rank HAV Name KANGANE GANESH ANNASAHEB of unit 1 Gujarat Compo Tech Coy

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान का आयोजन

समाचार जगत ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से बुधवार को ₹सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव₹ विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्रंखला के प्रथम चरण में मुख्य वक्ता ए.एम. तिवारी, पूर्व सचिव, शिक्षा, गुजरात सरकार रहे। उन्होंने ₹सामाजिक प्रबंधन और विकास क्षेत्रों पर इसके प्रभाव₹ विषय पर चर्चा की। तिवारी ने अपने प्रशासनिक अनुभवों से सामाजिक प्रबंधन की भूमिका पर अमूल्य दृष्टिकोण साझा किए और बताया कि किस प्रकार यह नीतियों को आकार देने और विकास को प्रेरित करने में सहायक है। तिवारी ने अपने व्याख्यान की शुरुआत संवादात्मक प्रश्नों से की। उन्होंने छात्र-छात्राओं से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने समाज के उत्थान और विभिन्न समुदायों

की स्थिति में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही बताया कि सामाजिक क्षेत्र का बहुआयामी स्वरूप इसे एक समग्र अध्ययन क्षेत्र बनाता है। व्याख्यान की शुरुआत दीप प्रज्जवलन से हुई।

प्रभावी नीतियों को आकार देने में शोध की महत्वपूर्ण भूमिका: सामाजिक विज्ञान संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. तापस कुमार दलपति ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में प्रभावी नीतियों को आकार देने हेतु शोध के महत्व पर जोर दिया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका
य एषु सुप्तेषु जागर्ति
वर्ष : 23 | अंक : 165 | पृष्ठ 12+4 | ₹5.00
patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika
अहमदाबाद, बुधवार, 29 जनवरी, 2025 | माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या, संवत 2081

भारत लोकतंत्र की जननी : प्रो. दूबे

वडोदरा@पत्रिका. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने तिरंगा फहराया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और लोक गीतों पर प्रस्तुतियां दीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. दूबे ने कहा कि गणराज्य बनाने के लिए भारत के संविधान को पूरे देश में लागू किया गया। आज भारत लोकतंत्र की जननी है। देश को अपने रक्त से सिंचित कर आजादी दिलाने वाले प्रत्येक भारतीय को नमन करते हुए उन्होंने राष्ट्र प्रेम के महत्व को रेखांकित किया।

पूरा विश्व मान रहा भारत की संस्कृति का लोहा

प्रो. दूबे ने कहा कि भारतव अनादिकाल से ही एक आध्यात्मिक संस्कृति की धरा रही है, जो शौ और संस्कारों से परिपूर्ण है। भार की संस्कृति का लोहा आज पू विश्व मान रहा है। उन्होंने कहा वि नई शिक्षा नीति में भारतीयता क भाव हैं, जो कि भारतीय जीव मूल्यों के आधार पर आगे बढ़ाने वे लिए प्रयासरत हैं। इस दौरा विश्वविद्यालय की सुरक्षा में तैना पांच सुरक्षाकर्मियों को उत्कृष्ट सेव कार्य के लिए सम्मानित किया गया

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा

सन् : 1992

गुजरात वैभव

अहमदाबाद** मंगलवार, 28 जनवरी, 2025 वर्ष 33, अंक 73, पृष्ठ-12

मूल्य-रु 3/-

Registration No-54924/92

gujaratvaibhav.com

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में हर्षोल्लास से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

के कुंढेला स्थित स्थायी परिसर में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत कर तिरंगा फहराया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और लोक गीतों पर प्रस्तुतियां दी। प्रो. दूबे ने कहा कि आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ था। गणराज्य बनाने के लिए भारत के संविधान को पूरे देश में लागू किया गया। आज भारत लोकतंत्र की जननी है। अपने उद्बोधन में उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल के अविस्मरणीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की रियासतों को एकीकृत करने वाले सरदार पटेल ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत के स्वप्न को पूरा करने का कार्य किया है। उन्होंने मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, वीर कुंवर सिंह, भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव, चन्द्रशेखर आज़ाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे वीर नायकों को याद किया। देश को अपने रक्त से सिंचित कर आजादी दिलाने वाले प्रत्येक भारतीय को नमन करते हुए उन्होंने राष्ट्र प्रेम के महत्व को रेखांकित किया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat